मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 64
शनिवार, 12 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

BRICS में पीएम मोदी का ट्रंप-ईरान को संदेश, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और नाविकों की हिफाजत जरूरी

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। BRICS Business Forum को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस वर्ष हम इफ्फ्रठर के 20 साल मना रहे हैं। 2006 में जब इस समूह की शुरूआत हुई थी तो इसमें केवल चार देश थे। आज BRICS और BRICS पार्टनर्स मिलाकर 21 देशों का हमारा परिवार है।

पीएम ने कहा कि आज BRICS के देश, विश्व की 50% पॉपुलेशन, 40% GDP और 25% से अधिक ट्रेड को रिप्रेजेंट करते हैं। इतना ही नहीं, इन वर्षों में जहां ग्लोबल GDP करीब 1.5 गुना हुई है, वहीं BRICS देशों की कंबाइन GDP करीब 4.5 गुना हुई है। यानी BRICS की इकोनॉमिक स्ट्रैंथ दुनिया की तुलना में करीब दो गुने रफ्तार से बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि BRICS देश ग्लोबल इनोवेशन और सॉल्यूशन के महत्वपूर्ण सेंटर्स बन रहे हैं। ग्रासरूट से लेकर फ्रंटियर टेक्नोलॉजी तक हमारे देशों में इनोवेशन की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। BRICS की बढ़ती स्केल, स्पीड और ऑप्टिमिज्म हमारे बीच साफ दिखाई दे रही है। भारत में आयोजित ये फोरम अब तक का सबसे बड़ा BRICS Business Forum है।

पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल ट्रेड तभी आगे बढ़ सकता है जब समुद्री रास्ते सुरक्षित हों, सप्लाई रूट खुले हों और समुद्री यात्री सुरक्षित हों। इसलिए, भारत नेविगेशन की आजादी और समुद्री यात्रियों की सुरक्षा का पक्का समर्थक है। ब्रिक्स विमेंस विंग्स बिजनेस अलायंस भी हमारे विजन का एक अहम हिस्सा है। हम चाहते हैं कि महिला उद्यमी हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की BRICS अध्यक्षता की थीम है, लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण। पिछले 12 वर्षों में भारत ने इस मंत्र को अपनी इकोनॉमिक और ट्रेड पॉलिसिज का आधार बनाया है। लचीलापन की बात करें तो भारत ने एनर्जी से लेकर टेक्नोलॉजी तक सप्लाई चेन को और अधिक डायवर्सिफाइड और रिलायबल बनाया है। इसी का परिणाम है, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत आज ग्रोथ और स्थिरता का भरोसा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया में व्यापार बाधाएं बढ़ रहे हैं, तो भारत आर्थिक पुल बना रहा है। 2014 के बाद से हमने दुनिया के करीब 40 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं। इफ्फ्रठर में भी हमारी अप्रोच यही है कि बाधाओं को कम करना है और व्यापार के के लिए अवसर बढ़ाना।

पश्चिम बंगाल में 15000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट शुरू, सीएम ने रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम का किया ऐलान

कोलकता, 11 सितम्बर। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 11 सितंबर को राज्य में विकास की कई अहम योजनाओं के बारे में बताया। इनमें 15,000 करोड़ रुपये का एक प्रोजेक्ट, 600 करोड़ रुपये की अमूल सुविधा और रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम शामिल हैं। यह सिस्टम ऐसी जगहों तक पहुँचने के लिए बनाया गया है जहाँ आम फायर टेंडर नहीं पहुँच पाते। पिछले चार महीनों में हुई प्रगति का ज़िक्र करते हुए अधिकारी ने कहा कि पिछले चार महीनों में हमने कई अहम प्रोजेक्ट देखे हैं; जैसे, गंगोनी में एक प्रोजेक्ट के लिए 700 करोड़ रुपये का बड़ा वादा किया गया था। 15,000 करोड़ रुपये का एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट भी शुरू हो चुका है ।रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम के बारे में उन्होंने कहा कि हम रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम जैसे प्रोजेक्ट्स में तरक्की देख रहे हैं, जो ऐसी जगहों पर काम कर सकते हैं जहाँ बड़ी फायर ट्रक नहीं पहुँच सकतीं। अधिकारी ने अमूल के 600 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने का भी ज़िक्र किया और कहा, तीसरा बड़ा प्रोजेक्ट अमूल से जुड़ा है, जिसमें 600 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। काम पहले ही शुरू हो चुका है और एक बड़ी फैसिलिटी बनाई जा रही है ।उन्होंने लार्सन एंड टुब्रो के एक बड़े डेटा सेंटर के उद्घाटन का भी ज़िक्र किया और कहा कि हमने L&T के एक बड़े डेटा सेंटर का उद्घाटन किया; कैबिनेट ने इस प्रोजेक्ट को पहले ही मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने ये बातें कोलकाता में सॉल्ट लेक सिटी सेंटर के पास स्टाइल बाजार में आयोजित 'फैशन वॉर्डरोब' इवेंट में कहीं, जहाँ वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता भी मौजूद थे। उनके ये बयान पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव से पहले आए हैं, जो 6 अक्टूबर को होने हैं (इसमें नंदीग्राम सीट भी शामिल है) और वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। नंदीग्राम सीट तब खाली हुई थी जब अधिकारी ने, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटें जीती थीं, भवानीपुर सीट अपने पास रखने का फैसला किया ।इससे पहले, आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने नंदीग्राम में अधिकारी के प्रभाव पर भरोसा जताते हुए कहा कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सीट से चुनाव लड़ती हैं।

41 पर चला बुल्डोजर, 61 सील, एमसीडी ने अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान तेज किया

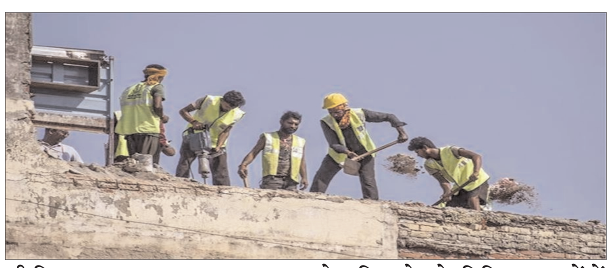

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। राष्ट्रीय राजधानी में अवैध और असुरक्षित इमारतों के खिलाफ दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रही। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कई इलाकों में तोड़फोड़ और सीलिंग की कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीमें राजधानी के सभी 12 जोन में लगातार जांच और कार्रवाई कर रही हैं। अधिकारी घर-घर जाकर इमारतों की स्थिति देख रहे हैं और खामियां मिलने पर नोटिस, सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को 41 जगहों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई, जबकि 61 संपत्तियों को सील किया गया। इसके अलावा 32 संपत्तियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और ध्वस्तीकरण के 3 आदेश भी दिए गए।

अधिकारियों के अनुसार, आदर्श नगर में एक इमारत की अवैध चौथी मंजिल गिराने की कार्रवाई शुरू की गई, जबकि मंडावली फाजलपुर के कल्याण मार्ग पर सीलिंग अभियान चलाया गया। एमसीडी ने सत्य निकेतन में हाल में ढही इमारत के बगल में एक भवन को नियंत्रित तरीके से गिराने की कार्रवाई भी जारी रखी। इमारत ढहने की घटना में सात लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि एमसीडी के दक्षिण क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में भी अवैध निमार्णों के खिलाफ तोड़फोड़ अभियान चलाया जा रहा है। सत्य निकेतन इमारत हादसे के बाद सात सितंबर से शुरू किया गया यह अभियान दिल्ली भर में खतरनाक इमारतों, अनधिकृत निर्माण और भवन नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों की उपलब्धता नहीं होने के कारण कार्रवाई की रफ्तार धीमी रही।

कुलदीप ने गंभीर को दिखाया अपना दम: इंग्लैंड में 10 विकेट लेकर मचाया तहलका; क्या अब नजरअंदाज करना होगा मुश्किल?

लंदन, 11 सितम्बर। भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसने एक बार फिर उनके टेस्ट क्रिकेट के दावे को मजबूती दे दी है। यॉर्कशायर की ओर से एसेक्स के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले में कुलदीप ने 10 विकेट झटक लिए। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर ने पहली पारी में 70 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि दूसरी पारी में 50 रन देकर छह बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। इस तरह उन्होंने मैच में 120 रन देकर कुल 10 विकेट हासिल किए। गेंद से शानदार प्रदर्शन के अलावा कुलदीप ने बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया और 36 रन बनाए। यॉर्कशायर ने अपनी पारी में 390 रन बनाए, जबकि एसेक्स पहली पारी में 284 रन पर सिमट गया। कुलदीप के इस प्रदर्शन की खास बात यह रही कि उन्होंने इंग्लैंड की परिस्थितियों में ही अपना प्रभाव छोड़ा। ऐसे में उनका प्रदर्शन भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत माना जा सकता है। मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद कुलदीप ने यॉर्कशायर क्रिकेट टीवी से बातचीत में अपनी गेंदबाजी के बारे में बताया कि विकेट में पहले से ही तेजी थी, जिसका उन्होंने फायदा उठाया। उन्होंने कहा, 'यह गेंदबाजी करने के लिए शानदार विकेट था, क्योंकि आपको गेंद को गति देने के लिहाज से बहुत तेज गेंदबाजी करने की जरूरत नहीं थी। विकेट में पहले से ही तेजी थी। गेंद पिच होने के बाद उसमें थोड़ी तेजी दिखाई दे रही थी और आपको सिर्फ गेंद को स्पिन कराना था और उसमें काफी ज्यादा घुमाव देना था। आखिरकार यही अहम रहा।'

कुलदीप ने भारतीय और इंग्लैंड की परिस्थितियों के अंतर को भी समझाया। उन्होंने कहा, 'अगर आप इसकी तुलना भारतीय परिस्थितियों से करें तो यह पूरी तरह अलग है। भारत में जब आप गेंदबाजी करते हैं तो काफी स्पिन देखने को मिलती है, लेकिन विकेट धीमे होते हैं और बल्लेबाज कभी-कभी खुद को उसके अनुसार ढाल लेते हैं। यहां विकेट में तेजी होने के कारण अगर बल्लेबाज पीछे के पैर पर जाता है तो वह फंस जाता है और उसे आगे के पैर पर खेलना पड़ता है। ऐसे में उसके कैच विकेट के पीछे, स्लिप या शॉर्ट लेग पर जाने की संभावना बढ़ जाती है।' रविचंद्रन अश्विन के संन्यास के बाद माना गया था कि कुलदीप भारतीय टेस्ट टीम में विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। वह आधुनिक क्रिकेट में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनरों में दुर्लभ प्रतिभा माने जाते हैं।

हालांकि, 2017 में टेस्ट डेब्यू करने के बाद से वह भारत के लिए सिर्फ 19 टेस्ट खेल सके हैं। शुरूआती दौर में रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की जोड़ी के कारण उन्हें लगातार मौके नहीं मिले। अब भी वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों को टीम में मौके मिलते रहे हैं, जबकि हाल के समय में मानव सुथार और सारांश जैन जैसे नाम भी चर्चा में आए हैं। ऐसे में इंग्लैंड में 10 विकेट का प्रदर्शन कुलदीप के लिए सिर्फ एक काउंटी मैच की सफलता नहीं है।

हरियाणा के पूर्व कृषि मंत्री जसविंदर सिंह संधू के बेटे ने की आत्महत्या, पंजाब में फॉर्म हाउस पर खुद को मारी गोली

रूपनगर, 11 सितम्बर। हरियाणा के पूर्व कृषि मंत्री स्वर्गीय जसविंदर सिंह संधू के बेटे गगनजोत संधू ने शुक्रवार को आत्महत्या कर ली। उन्होंने पंजाब के रूपनगर जिले के पुरखाली गांव स्थित ककोट फार्म हाउस में खुद को गोली मार ली। बताया जा रहा है कि गगनजोत आज सुबह ही रूपनगर पहुंचे थे और फार्म हाउस में अकेले थे ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के बाद फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। शव को रूपनगर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा। रूपनगर सदर थाने के एसएचओ सनी खन्ना ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में कुछ स्पष्ट रूप से बताया जा सकेगा। बताया जाता है कि गगनजोत संधू कुरुक्षेत्र के गुमथला गढ़ू गांव से दो बार सरपंच रह चुके थे। उनके पिता स्वर्गीय जसविंदर सिंह संधू हरियाणा की राजनीति में सक्रिय रहे और चार बार विधायक रहे। ओपी चौटाला की सरकार के दौरान उन्हें मंत्री बनाया गया था। वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया था। गगनजोत संधू उनके बेटे थे। वहीं, सरकारी अस्पताल के डॉक्टर चंदन ने कहा की शाम छह चालीस पर उनके पास गगनजोत को लाया गिया और डॉक्टरों की तरफ से मृतक एलान कर दिया गिया है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया करवाई जा रही है।

नगर निकाय चुनाव 2026: सीएम भजनलाल ने डाला वोट, वोटिंग के दौरान अशोक गहलोत के पैर छूने का मामला गरमाया

जयपुर, 11 सितम्बर। नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण में जयपुर सहित राजस्थान के 6 नगर निगमों व 20 नगर परिषदों व 121 नगर पालिकाओं के लिए आज मतदान किया जा रहा है, जो शाम 6 बजे तक चलेगा। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा से लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, पुलिस डीजी, सतीश पूनिया, गजेंद्र सिंह शेखावत, वसुंधरा राजे, पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अपने बयान जारी किए हैं। अपने बयानों में नेताओं जनता से अपने मत का प्रयोग करने की अपील की। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने भी आज जयपुर नगर निगम के चुनाव में हिस्सा लिया और अपना वोट डाला। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जनता से अधिक से अधिक संख्या में मतदान में भाग लेने की अपील की। नगर निकाय चुनाव के दौरान राजस्थान पुलिस डीजी राजीव शर्मा ने भी अपने मत का प्रयोग किया। डीजीपी ने अपनी धर्म पत्नी भावना शर्मा के साथ गांधी नगर स्थित बूथ पर मतदान किया। डीजीपी ने सुरक्षा पर बड़ा संदेश भी दिया। डीजीपी ने मतदान के बाद हर नागरिक से मतदान का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए हर जिले में पुलिस बल के साथ मोबाइल और रिजर्व फोर्स भी तैनात है। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने जयपुर नगर निगम चुनाव 2026 के अंतर्गत वार्ड 141 के बूथ संख्या 10 पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतंत्र के इस महापर्व में सहभागिता निभाई।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
MHT-CET
NEET
Polytechnic & Engg
JEE (Main & Advance)
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

-ललित गर्ग

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पधाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। प्रति अर्थात वापस और क्रमण अर्थात लौटना-अर्थात अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है।

संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से मिच्छामि दुक्कडम कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है।

भगवान महावीर का संदेश-मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइह्व-अर्थात सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं।

आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है। पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मोन्नयन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सवेरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

तुष्टिकरण का आत्मघाती राजपथ: 'वंदे मातरम' के अंग-भंग पर विपक्षी 'इंडिया ' गठबंधन का शर्मनाक बिखराव

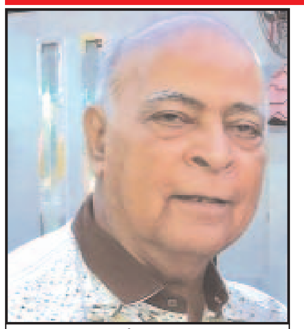

अशोक भाटिया

भारतीय राजनीति में जब-जब राष्ट्रीय अस्मिता, संप्रभुता और देश की सांस्कृतिक चेतना को कसौटी पर कसा गया है, तब-तब छद्म धर्मनिरपेक्षता और अवसरवाद का चोगा ओढ़े राजनीतिक दलों का पाखंड खुलकर देश के सामने आया है। वर्तमान परिदृश्य में संसद द्वारा पारित 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026' ने एक बार फिर सच्ची देशभक्ति और वोट बैंक की मलीन राजनीति के बीच की धुंध को पूरी तरह साफ कर दिया है। यह नया कानून राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को वही संवैधानिक संरक्षण और गरिमा प्रदान करता है जो राष्ट्रगान 'जन गण मन' को प्राप्त है। जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राष्ट्रीय गौरव के इस प्रतीक के सम्मान में पूरी तरह एकजुट, आक्रामक और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध है, वहीं विपक्षी ' इंडिया ' गठबंधन इस अमर गीत को लेकर एक बार फिर उसी आत्मघाती वैचारिक बिखराव और कायरतापूर्ण राजनीति का शिकार हो गया है, जिसने ऐतिहासिक रूप से इस महान राष्ट्र को अपूरणीय क्षति पहुँचाई है। यह विवाद केवल कुछ पंक्तियों को गाने या न गाने का नहीं है, बल्कि यह इस देश की मूल आत्मा, उसकी सांस्कृतिक अखंडता और देश के सर्वोच्च कानून के प्रति निष्ठा की अग्निपरीक्षा है, जिसमें विपक्ष पूरी तरह अनुत्तीर्ण साबित हुआ है।

इस विवाद की सबसे घिनौनी, दुस्साहसी और ताजा मिसाल कर्नाटक की सिद्धारमैया-डीके शिवकुमार सरकार ने पेश की है, जिसने देश के संघीय ढांचे और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति अपनी दुर्भावना को जगजाहिर कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रगीत के पूरे छह अंतरों (फुल वर्जन) को राजकीय और सार्वजनिक स्तर पर सम्मानपूर्वक गाए जाने के स्पष्ट दिशा-निर्देशों को सीधे चुनौती देते हुए, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने एक बेहद शर्मनाक और विवादित सरकारी आदेश जारी किया है। इस आधिकारिक फरमान के तहत कर्नाटक में राज्य सरकार के सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी और शैक्षणिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पूरे स्वरूप को प्रतिबंधित कर दिया गया है और इसे केवल पहले दो अंतरों तक ही सीमित रखने का तानाशाही आदेश दिया गया है। केवल एक विशेष वर्ग के तुष्टिकरण और वोट बैंक को साधने की इस घटिया कवायद पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दिल्ली से लेकर बेंगलुरु तक करारा प्रहार करते हुए इसे कांग्रेस का कट्टरपंथी ताकतों और मुस्लिम लीग की विभाजनकारी मानसिकता के सामने 'पूर्ण आत्मसमर्पण' करार दिया है। कर्नाटक सरकार की यह हरकत साफ दिखाती है कि सत्ता की मलाई चाटने के लिए कांग्रेस राष्ट्र के गौरवशाली प्रतीकों का अंग-भंग करने, उन्हें छोटा करने और अपमानित करने से भी गुरेज नहीं कर रही है।

कर्नाटक कांग्रेस की इस ढिठाई ने न केवल पूरे देश के राष्ट्रभक्त नागरिकों को उद्वेलित किया है, बल्कि विपक्षी 'इंडिया ' गठबंधन की आंतरिक सड़न, वैचारिक खोखलेपन और अंतर्विरोधों को भी सरेआम चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। एक तरफ जहाँ कांग्रेस और उसके कर्नाटक के सिपहसालार वर्ष 1937 के उस विवादित प्रस्ताव के पीछे छिप रहे हैं, जिसने स्वतंत्रता

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

आंदोलन के दौरान मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग की हठधर्मिता के आगे कायरतापूर्वक घुटने टेके थे, वहीं दूसरी तरफ इसी गठबंधन के प्रमुख सहयोगी दल कांग्रेस के इस ढुलमुल और देशविरोधी रवैये को करारा तमाचा मारते हुए पूरी तरह अलग राह चुन चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार ने कांग्रेस के इस तथाकथित ऐतिहासिक नैरेटिव की धज्जियां उड़ा दीं। श्रीनगर के अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और डॉ. फारूक अब्दुल्ला की गरिमामयी उपस्थिति में न सिर्फ वंदे मातरम का पूरा छह अंतरों वाला संस्करण बजाया गया, बल्कि उमर अब्दुल्ला ने दो-टूक शब्दों में कांग्रेस को आईना दिखाते हुए कहा कि एक संवैधानिक पद पर रहते हुए संसद द्वारा पारित देश के कानून का अक्षरशः पालन करना उनकी कानूनी मजबूरी और बुनियादी कर्तव्य है।

यह अभूतपूर्व घटना 'इंडिया ' गठबंधन के मुंह पर एक ऐसा तमाचा है जिसकी गूंज आगामी चुनावों तक सुनाई देगी। यह कितनी हास्यास्पद और चिंताजनक स्थिति है कि एक तरफ दक्षिण भारत का एक बड़ा राज्य कर्नाटक है, जहाँ कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सरकार वोट बैंक के लालच में राष्ट्रगीत को काट-छांट कर आधा कर रही है, और दूसरी तरफ देश के सबसे संवेदनशील हिस्से कश्मीर में उन्हीं का प्रमुख सहयोगी दल नेशनल कॉन्फ्रेंस देश के कानून और राष्ट्रगीत के पूर्ण संस्करण के सामने नतमस्तक होकर उसका सम्मान कर रहा है। यह विरोधाभास अकाट्य रूप से साबित करता है कि इस तथाकथित विपक्षी गठबंधन के पास देश को दिशा देने के लिए न तो कोई साझा दृष्टिकोण है, न कोई राष्ट्रीय नीति है और ना ही राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति कोई न्यूनतम सम्मान है। यह गठबंधन केवल सत्ता हथियाने के लिए बनाया गया एक बेमेल और स्वार्थी कुनबा है, जिसके घटक दलों की दिशाएं एक-दूसरे के विपरीत हैं।

गठबंधन के अन्य घटक दल, जैसे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम , इस पूरे तमाशे पर सांप सूंघ जाने जैसी स्थिति में हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अच्छी तरह जानती हैं कि ऋषि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस अमर कृति का विरोध करना या इसे छोटा करना बंगाल की प्रबुद्ध जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी, क्योंकि वंदे मातरम बंगाली अस्मिता और देश के स्वतंत्रता संग्राम का गौरवशाली उद्घोष है। लेकिन वे कांग्रेस के इस कुकृत्य का खुलकर विरोध करने का नैतिक साहस भी नहीं जुटा पा रही हैं, क्योंकि ऐसा करने से उनके विपक्षी गठबंधन के बिखरने का खतरा पैदा हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर, तमिलनाडु में द्रमुक जैसी पार्टियां भाषा और सांस्कृतिक स्वायत्तता के नाम पर केंद्र सरकार के हर फैसले का विरोध करने की आदी हैं, लेकिन वे भी राष्ट्रीय स्तर पर 'देशद्रोही' या 'राष्ट्रगीत विरोधी' दिखने के डर से कांग्रेस के इस आत्मघाती कदम का खुलकर समर्थन करने का जोखिम नहीं ले पा रही हैं। परिणाम यह है कि पूरा विपक्ष इस गंभीर राष्ट्रीय मुद्दे पर लकवाग्रस्त नजर आ रहा है।

जब देश की सर्वोच्च संस्था यानी संसद ने एक मत से कानून बनाकर हर नागरिक और संस्था से राष्ट्रगीत के प्रति पूर्ण सम्मान की अपेक्षा रखी है, तब एक राज्य सरकार द्वारा इसे जानबूझकर छोटा करना सीधे तौर पर संवैधानिक मयार्दाओं का चीरहरण और देश की संप्रभुता को खुली चुनौती है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का यह तर्क कि 'पूरा गीत गाने में समय अधिक लगता है' या 'यह पारंपरिक नहीं है', उनकी बौद्धिक कंगाली को दशार्ता है। क्या कोई सरकार राष्ट्रगान या राष्ट्रध्वज के आकार और स्वरूप को अपनी सुविधा के अनुसार बदल सकती है? यदि नहीं, तो वंदे मातरम के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों? इसका एकमात्र उत्तर है- बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को आहत करके एक विशेष समुदाय के कट्टरपंथी तत्वों को यह संदेश देना कि कांग्रेस उनके तुष्टिकरण के लिए देश के कानून को भी ठेंगा दिखा सकती है।

'इंडिया' गठबंधन का यह आंतरिक बिखराव कोई इत्तेफाक या तात्कालिक राजनीतिक मतभेद नहीं है, बल्कि यह उनकी वैचारिक खोखलेपन, दिशाहीनता और देश के मूल सांस्कृतिक प्रवाह से कटे होने का स्वाभाविक परिणाम है। केवल एक व्यक्ति यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंधविरोध और नफरत की बुनियाद पर खड़ा यह अवसरवादी कुनबा राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत और देश के कानूनों के मोर्चे पर पूरी तरह फेल हो चुका है। कर्नाटक में कांग्रेस की इस विभाजनकारी हरकत और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विपरीत व व्यावहारिक रुख ने यह साबित कर दिया है कि विपक्ष देश को स्थिरता, सुरक्षा और सही दिशा देने के कतई लायक नहीं है। वंदे मातरम के पूर्ण स्वरूप पर चोट करने की कांग्रेस की यह जिद उसे देश की मुख्यधारा की राजनीति से पूरी तरह अलग-थलग कर देगी। भारत की जागरूक जनता अब उस दौर में जी रही है जहाँ वह अपने राष्ट्र गौरव के प्रतीकों, सेना के शौर्य और देश के सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ किसी भी प्रकार की गंदी राजनीति या सौदेबाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस का यह दुस्साहस उसके राजनीतिक पतन के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा और 'इंडिया ' गठबंधन का यह बिखराव उनके अप्रासंगिक होने की शुरूआत है।

बिहार डूब रहा है,देश कब जागेगा?

बाढ़ के पानी में बहते घर,भूख से बिलखते बच्चे और सरकारी वादों की परीक्षा

बिहार एक बार फिर बाढ़ के बीच खड़ा है।

चारों तरफ पानी है...पानी में डूबे गांव हैं...

डूबे हुए खेत हैं...टूटे हुए घर हैं...सिर पर गठरी रखकर सुरक्षित ठिकाने की तलाश में निकलते परिवार हैं...और उन परिवारों के बीच ऐसे बच्चे हैं, जिनकी आंखों में स्कूल जाने का सपना नहीं, बल्कि दो वक्त के भोजन और साफ पानी की चिंता तैर रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि—बिहार के इस दर्द की आवाज देश तक क्यों नहीं पहुंचती?

जब पंजाब, हरियाणा, असम या नेपाल में बाढ़ आती है, तो पूरा देश बेचैन हो उठता है। राहत सामग्री पहुंचती है। बड़े-बड़े नेता प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हैं। मीडिया लगातार कवरेज करता है। सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो छा जाते हैं। लेकिन जब वही पानी बिहार के गांवों में प्रवेश करता है, तो ऐसा क्यों लगता है कि देश की संवेदना अचानक धीमी पड़ जाती है?

-क्या बिहार की बाढ़ सिर्फ बिहार की समस्या है?

-क्या बिहार के गरीब किसान की उजड़ी फसल का दर्द कम है?

-क्या पानी में फंसे बच्चे की चीख की कीमत किसी दूसरे राज्य के बच्चे की चीख से कम है? या फिर

-क्या बिहार के आंसुओं का कोई राष्ट्रीय मूल्य नहीं है?

आज ये उक्त सारे सवाल बिहार की जनता के मन में हैं। यह सिर्फ बाढ़ नहीं, जिंदगी का उजड़ना है। इस बाढ़ को सिर्फ जलस्तर के आंकड़ों में मत देखिए, उस बूढ़े किसान की आंखों में देखिए - जिसने पूरी जिंदगी खेत में खपा दी और आज उसकी आंखों के सामने पूरी फसल पानी में डूबी हुई है। उस महिला को देखिए, जो सिर पर अपने बच्चे को उठाकर सुरक्षित जगह की तलाश में भटक रही है। उस परिवार को देखिए, जिसके घर की मिट्टी की दीवार पानी के थपेड़ों में ढह गई। उस बच्चे को देखिए, जो भूख से रो रहा है और मां के पास उसे देने के लिए कुछ नहीं है। उस बीमार बुजुर्ग को देखिए, जिसे दवा की जरूरत है लेकिन रास्ते पानी में डूब चुके हैं... जी हाँ यही बिहार की असली बाढ़ है। यह सिर्फ नदियों का पानी नहीं है,यह गरीब की वर्षों की मेहनत का बह जाना है...यह किसान की उम्मीद का डूब जाना है। यह मां की चिंता है,यह बच्चे की भूख है,यह मजदूर की बेबसी है,यह उस परिवार का दर्द है, जिसे हर साल अपने जीवन की शुरूआत फिर से करनी पड़ती है।

बिहार का गरीब हर साल क्यों बने 'शून्य' से शुरूआत करने को मजबूर?

बिहार का गरीब शायद दुनिया का सबसे धैर्यवान इंसान है,जो हर साल मिट्टी का घर बनाता है और बाढ़ आती है— उस घर को बहा ले जाती है। वह फिर घर बनाता है... अगले साल फिर पानी आती है,वह फिर मिट्टी उठाता है... फिर दीवार खड़ी करता है और फिर से जिंदगी शुरू करता है। लेकिन आखिर कब तक?

क्या किसी राज्य के करोड़ों लोगों

की जिंदगी हर साल इसी चक्र में घूमती रहनी चाहिए?

बाढ़ आए—लोग डूबें।सरकार राहत पहुंचाए।

पानी उतरे...लोग घर बनाएं और फिर अगली बाढ़ का इंतजार करें! क्या यही बिहार की नियति है?

वादे की वह आवाज आज फिर याद आ रही है

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बिहार को बाढ़ मुक्त बनाने का वादा किया था। भाजपा के आधिकारिक दस्तावेज में भी बाढ़ मुक्त बिहार का संकल्प दर्ज है। आज वही वादा बिहार के सामने खड़ा है। जनता ने अपना विश्वास दिया,उन्हें सत्ता सौंपी और अब सवाल पूछना भी जनता का अधिकार है। अगर बिहार को बाढ़ मुक्त बनाने का वादा किया गया था, तो स्थायी समाधान की दिशा में अब तक क्या हुआ? हर साल बाढ़ के समय बैठकें होंगी।अधिकारी निरीक्षण करेंगे।राहत शिविर खुलेंगे। नावें चलेंगी। पॉलीथिन और कुछ सुखे राशन बांटे जाएंगे। और पानी उतरते ही सब कुछ फिर सामान्य मान लिया जाएगा? नहीं!

बिहार को केवल राहत नहीं चाहिए,बिहार को समाधान चाहिए।

बाढ़ के बाद राहत नहीं, बाढ़ से पहले तैयारी क्यों नहीं?

सरकारों को अब इस सवाल का सामना करना ही होगा कि आखिर हर साल वही त्रासदी क्यों दोहराई जाती है? नदियों की गाद का वैज्ञानिक प्रबंधन क्यों नहीं? तटबंधों की स्थायी निगरानी क्यों नहीं? जलनिकासी की व्यापक व्यवस्था क्यों नहीं? बाढ़ प्रभावित गांवों के लिए सुरक्षित पुनर्वास नीति क्यों नहीं? नेपाल के साथ दीर्घकालिक जल प्रबंधन पर प्रभावी संवाद क्यों नहीं? और सबसे महत्वपूर्ण— केंद्र और बिहार सरकार मिलकर बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए समयबद्ध राष्ट्रीय योजना क्यों नहीं बनातीं?

बिहार को दया नहीं, अधिकार चाहिए

बिहार के लोग किसी से भीख नहीं मांग रहे,वे अपने हिस्से का अधिकार मांग रहे हैं। वे चाहते हैं कि जब देश के किसी हिस्से में आपदा आए तो पूरा देश उसके साथ खड़ा हो और जब बिहार डूबे तो भी देश उसी ताकत से बिहार के साथ खड़ा रहे। बिहार के लोगों को सिर्फ यह कहकर नहीं छोड़ा जा सकता कि वे सहनशील हैं। सहनशीलता किसी सरकार को अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करती। कितनी और जिंदगियां तबाह होंगी? बाढ़ का पानी एक दिन उतर जाएगा। कैमरे चले जाएंगे। राजनेताओं के दौरे समाप्त हो जाएंगे। राहत शिविर धीरे-धीरे खाली हो जाएंगे। लेकिन क्या उस किसान की बबार्दी खत्म हो जाएगी,जिसकी पूरी फसल चली गई? क्या उस मजदूर का रोजगार वापस आ जाएगा? क्या उस परिवार का टूटा घर तुरंत फिर खड़ा हो जाएगा?

क्या उस बच्चे की भूख खत्म हो जाएगी?

और यदि बाढ़ के दौरान किसी परिवार ने अपना कोई सदस्य खो दिया, तो क्या उसे वापस लाया जा सकेगा? नहीं।

इसीलिए बाढ़ को केवल प्राकृतिक आपदा कहकर जिम्मेदारी खत्म नहीं की जा सकती।

अब बिहार को जवाब चाहिए,आज जरूरत है कि केंद्र और राज्य सरकार इस समस्या पर सिर्फ आपात बैठक नहीं, बल्कि स्थायी समाधान के लिए उच्चस्तरीय राष्ट्रीय मिशन बनाए। नदी प्रबंधन से लेकर तटबंधों तक, जलनिकासी से लेकर पुनर्वास तक,नेपाल के समन्वय से लेकर बिहार के भीतर नदियों के वैज्ञानिक प्रबंधन तक....एक ऐसी व्यापक योजना बने, जिसकी जिम्मेदारी तय हो, समयसीमा तय हो और हर साल उसकी प्रगति की सार्वजनिक समीक्षा हो। क्योंकि—

बिहार हर साल डूबने के लिए पैदा नहीं हुआ है,बिहार के किसान हर साल अपनी फसल खोने के लिए पैदा नहीं हुए हैं,बिहार के बच्चे हर साल राहत शिविरों में बचपन बिताने के लिए पैदा नहीं हुए हैं और बिहार की माताएं हर साल अपने बच्चों को भूख और बीमारी के डर में पालने के लिए मजबूर नहीं की जा सकतीं।

देश से एक सवाल... सत्ता से एक सवाल

-जब बिहार के गांवों में चीखें उठती हैं,तो देश कब जागेगा?

-जब भूख से बच्चे रोते हैं, तो सत्ता कब विचलित होगी?

-जब खेत नदी बन जाते हैं,तो व्यवस्था कब जागेगी?

-जब घर बह जाते हैं तो स्थायी समाधान की फाइलें कब खुलेंगी? और सबसे बड़ा सवाल—

-आखिर बिहार कब बाढ़ से मुक्त होगा?

बिहार के लोग उम्मीद छोड़ना नहीं जानते।

वे आज भी टूटी दीवारों के बीच जिंदगी तलाश रहे हैं। वे आज भी बह चुके घरों की जगह नया घर बनाने का सपना देख रहे हैं। वे आज भी अपनी मिट्टी से जुड़े हुए हैं। लेकिन अब उनकी सहनशीलता की परीक्षा लेना बंद कीजिए।

उन्हें केवल राहत की तस्वीरें नहीं—बाढ़ से मुक्ति की तस्वीर चाहिए। क्योंकि बिहार को सहानुभूति नहीं चाहिए- अब बिहार को स्थायी समाधान चाहिए। और आज बिहार की डूबी हुई धरती से उठ रही सबसे बड़ी आवाज यही है— हम हर साल क्यों डूबें, सरकार?

-गौतम सुमन गर्जना

जाट लैंड में अखिलेश को क्यों दो बार कैंसिल करना पड़ी जनसभा

उत्तर प्रदेश की सियासत में जब भी मतों के ध्रुवीकरण और जातीय समीकरणों की बिसात बिछती है, तो केंद्र में 'एम-वाई' यानी मुस्लिम और यादव गठजोड़ सबसे मजबूत धुरी बनकर उभरता है। राज्य की लगभग 20 से 22 प्रतिशत मुस्लिम आबादी और तकरीबन 7 से 8 प्रतिशत यादव मतदाताओं का यह पारंपरिक मेल लंबे समय तक समाजवादी पार्टी की ताकत का मुख्य आधार रहा है। लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव की आहट के बीच उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में इस पारंपरिक समीकरण के भीतर एक सूक्ष्म और बेहद गंभीर बदलाव की सुगबुगाहट महसूस की जा रही है। क्या सूबे का मुस्लिम वोटर एक बार फिर आंख मूंदकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लामबंद होगा, या फिर वह अपने लिए किसी नए और अधिक सुरक्षित विकल्प की तलाश में है यह सवाल आज सूबे की राजनीति का सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न बन चुका है। मुस्लिम समाज के भीतर समाजवादी पार्टी को लेकर आ रहा यह बदलाव अचानक नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक असहजता और आत्मनिरीक्षण का एक लंबा दौर है। पिछले चुनावों, विशेषकर 2022 के विधानसभा चुनावों में मुस्लिम मतदाताओं ने एकमुश्त होकर समाजवादी पार्टी के पक्ष में रिकॉर्ड मतदान किया था। उस चुनाव में लगभग 79 प्रतिशत मुस्लिम वोट सपा के खाते में गए थे, क्योंकि समुदाय को लगा था कि अखिलेश यादव ही भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बेदखल करने का एकमात्र ठोस जरिया हैं। लेकिन चुनाव के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य और सपा की हार ने मुस्लिम समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया। समुदाय के भीतर इस बात को लेकर एक गंभीर विमर्श शुरू हुआ है कि जब भी उनके हितों, नागरिकता से जुड़े मुद्दों या सुरक्षा से जुड़े संकटों की बात आती है, तो समाजवादी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अक्सर वैचारिक रूप से रक्षात्मक या मौन नजर आता है। अखिलेश यादव की राजनीति में हाल के दिनों में आया 'सॉफ्ट हिंदुत्व' का झुकाव, हनुमान चालीसा का पाठ, मंदिरों के निर्माण और मुस्लिम नेताओं के धार्मिक प्रतीकों से दूरी बनाने की रणनीति ने मुसलमानों के एक बड़े तबके को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या वे

-अजय कुमार

सिर्फ भाजपा को हराने का एक जरिया मात्र बनकर रह गए हैं।

अखिलेश यादव का हालिया राजनीतिक नारा 'पीडीए' यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक है। इस नारे के जरिए वे अपने पारंपरिक आधार से आगे बढ़कर गैर-यादव पिछड़ों और गैर-जाटव दलितों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस पूरी रणनीति में 'अल्पसंख्यक' शब्द को जिस तरह से हाशिए पर या अत्यधिक सधे हुए अंदाज में इस्तेमाल किया जा रहा है, उसने मुस्लिम नेतृत्व को नाराज किया है। उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख मुस्लिम विद्वानों और संगठनों, जैसे ऑल इंडिया मुस्लिम जमात, द्वारा अखिलेश यादव को पत्र लिखकर यह मांग उठाना कि सूबे में मुस्लिम मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया जाए, इसी गहरी बेचैनी का प्रतीक है। मुस्लिम समाज अब यह सवाल पूछ रहा है कि 22 फीसदी हिस्सेदारी होने के बावजूद वे केवल 7 से 8 फीसदी आबादी वाले नेतृत्व के रहनुमा क्यों बने रहें। यह नैरेटिव समाजवादी पार्टी के कोर वोट बैंक में एक बड़ी दरार पैदा कर सकता है। इस बदलते मिजाज के बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) इस बार सूबे की कई सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ओवैसी भले ही खुद सरकार बनाने की स्थिति में न हों, लेकिन उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश की कम से कम 30 से 40 ऐसी सीटों पर, जहां मुस्लिम आबादी 30 प्रतिशत से अधिक है, खेल बिगाड़ने की पूरी क्षमता रखती है। ओवैसी सीधे तौर पर अखिलेश यादव की धर्मनिरपेक्षता की राजनीति पर हमला बोलते हैं और मुसलमानों को अपना स्वतंत्र नेतृत्व खड़ा करने की वकालत करते हैं। जब भी ओवैसी किसी मुस्लिम बहुल सीट पर 15 से 20 हजार वोट भी हासिल करते हैं, तो इसका सीधा नुकसान समाजवादी पार्टी को होता है, क्योंकि वे वोट सीधे तौर पर सपा के पाले से कटते हैं। ओवैसी का यह प्रभाव अखिलेश यादव के सत्ता के सफर को बेहद मुश्किल बना सकता है।

दूसरी तरफ, कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में अपने पुराने और ऐतिहासिक 'ब्राह्मण-दलित-मुस्लिम' समीकरण को दोबारा जिंदा करने की पुरजोर कोशिशों में लगी हुई है। लोकसभा चुनावों के बाद से ही राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने दलितों और अल्पसंख्यकों के हक, उनके संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के मुद्दों को काफी आक्रामक तरीके से उठाया है। कांग्रेस यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का मुकाबला केवल वही कर सकती है, क्षेत्रीय दल नहीं। दलित और मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए कांग्रेस जमीन पर कई तरह के सामाजिक संपर्क अभियान चला रही है। मुसलमानों को यह लगने लगा है कि कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं है, इसलिए वह उनके हक में समाजवादी पार्टी की तुलना में ज्यादा मुखर होकर बोल सकती है। अगर मुस्लिम वोटर का झुकाव कांग्रेस की तरफ बढ़ता है, तो सपा का बना-बनाया गणित पूरी तरह ध्वस्त हो सकता है। इस त्रिकोणीय राजनीतिक रस्साकशी के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या हिंदू वोट बैंक समाजवादी पार्टी के पिछड़ा और दलित (पीडीए) कार्ड के चलते भाजपा से दूर हो जाएगा। उत्तर प्रदेश की सत्ता की चाबी हमेशा से पिछड़ी जातियों के हाथ में रही है। भाजपा ने पिछले एक दशक में गैर-यादव पिछड़ी जातियों और गैर-जाटव दलितों का एक बेहद मजबूत और अटूट सामाजिक गठबंधन तैयार किया है। अखिलेश यादव अपनी रणनीति के तहत इसी गठबंधन में सेंधमारी करने की कोशिश कर रहे हैं। वे लगातार जातीय जनगणना की मांग और आरक्षण के मुद्दों को उठाकर पिछड़ों और दलितों को यह विश्वास दिलाने में जुटे हैं कि उनके वास्तविक हितों की रक्षा सपा ही कर सकती है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक ताकत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे का आकर्षण इतना मजबूत है कि हिंदू वोटों को पूरी तरह से काटना सपा के लिए बेहद दुष्कर कार्य है। भाजपा इस काउंटर नैरेटिव को बेहद आक्रामक तरीके से जनता के बीच ले जा रही है कि सपा का पीडीए गठबंधन केवल परिवारवाद और तुष्टिकरण का एक नया आवरण है।

गणेशोत्सव की तैयारियों को लेकर प्रभाग समिति क्रमांक 3 में बैठक

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। आगामी गणेशोत्सव को देखते हुए मीरा-भायंदर महानगरपालिका के प्रभाग समिति क्रमांक 3 में सभापति मदन सिंह की अध्यक्षता में नगरसेवकों एवं संबंधित अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गणेशोत्सव की पूर्व तैयारियों के साथ-साथ प्रभाग क्षेत्र के विकास कार्यों और नागरिकों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रभाग समिति के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही फेरीवालों के नियोजन, उद्यान विभाग से संबंधित कार्यों एवं निरीक्षण तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नियमित रूप से विकास कार्यों की समीक्षा और समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए मासिक बैठक आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। फेरीवालों और नागरिकों दोनों के हितों पर जोर प्रभाग समिति क्रमांक 3 के अंतर्गत विभिन्न रास्तों पर फेरीवालों के कारण नागरिकों को होने वाली असुविधा तथा फेरीवालों की रोजी-रोटी से जुड़े मुद्दे पर भी विशेष चर्चा की गई। प्रशासन का उद्देश्य ऐसा नियोजन करना है, जिससे आम नागरिकों के आवागमन में बाधा न आए और फेरीवालों के साथ भी अन्याय न हो। इसी उद्देश्य से फेरीवाला समिति के सदस्यों के साथ प्रभाग समिति में बैठक आयोजित की गई। इसके बाद उन विभिन्न स्थानों का दौरा भी किया गया, जहां फेरीवाले बैठते हैं। मौके पर स्थिति का जायजा लेकर नागरिकों की सुविधा तथा फेरीवालों के हितों के बीच संतुलन बनाने के लिए आवश्यक उपायों पर चर्चा की गई। गणेशोत्सव को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं पर मंथन गणेशोत्सव के दौरान प्रभाग क्षेत्र में नागरिकों और गणेश भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए रास्तों, स्वच्छता, यातायात और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों से आगामी उत्सव को देखते हुए आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने को कहा गया। बैठक एवं क्षेत्र दौरे के दौरान प्रभाग समिति के नगरसेवक, पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में लिए गए निर्णयों की नियमित समीक्षा कर नागरिकों से जुड़े कार्यों को गति देने पर भी जोर दिया गया।

पंतनगर में इमारत की छत से कूदकर 61 वर्षीय व्यक्ति ने की आत्महत्या

मुंबई। घाटकोपर पूर्व के पंतनगर इलाके में एक इमारत की छत से कूदकर 61 वर्षीय व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई है। मृतक की पहचान मनीष मणिलाल भयानी (61) के रूप में हुई है। पंतनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंतनगर पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लता सुतार ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मृतक का व्यवसाय से संबंधित पैसों के लेन-देन का मामला था। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह घटना पंतनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित इमारत क्रमांक 14, सीमा राजधानी में हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल तत्काल मौके पर पहुंचा। मनीष मणिलाल भयानी पंतनगर पूर्व स्थित गारोडिया नगर के कल्याण सागर, प्लॉट नंबर 152 में रहते थे और बॉल बेयरिंग के व्यवसाय से जुड़े हुए थे। जांच में पता चला कि वह सुबह करीब 9 बजे इमारत क्रमांक 14 के फ्लैट नंबर 1302 में अपने परिचित अशोक करसनदास सोलंकी (71) से मिलने आए थे। पुलिस के मुताबिक, अशोक सोलंकी के बेटे कृष्णा सोलंकी और मृतक मनीष भयानी के बीच व्यवसाय से जुड़े पैसों का लेन-देन था। हालांकि कृष्णा सोलंकी पिछले करीब एक वर्ष से अपने पिता के साथ नहीं रह रहा था। घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की जांच में पुलिस को दिखाई दिया कि अशोक सोलंकी से मिलने के बाद मनीष भयानी सुबह करीब 10.45 बजे इमारत से बाहर निकले। उस समय अशोक सोलंकी भी उन्हें छोड़ने के लिए बाहर तक आए थे। इसके बाद मनीष भयानी करीब 11 बजे अकेले दोबारा इमारत में दाखिल हुए।

जय माता दी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के तीन वर्ष पूरे, सत्यनारायण पूजा व सुंदरकांड का आयोजन

मुंबई। जय माता दी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड के सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर संस्था के निदेशक हरीश पाण्डे के नेतृत्व में सत्यनारायण पूजा एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों, शुभचिंतकों एवं समाजसेवियों ने उपस्थित होकर संस्था की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर निर्मल कुमार वाजपेयी, निजी सचिव, उत्तर प्रदेश सचिवालय, लखनऊ, भाजपा ओबीसी मोर्चा मुंबई उपाध्यक्ष रामबिलास पाठक, सुरेन्द्र यादव भाजपा चांदीवली विधानसभा उपाध्यक्ष, विमलेश दुबे, पवन पाठक, देवेंद्र सिंह, आदेश मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना एवं सुंदरकांड पाठ के पश्चात उपस्थित अतिथियों ने हरीश पाण्डे को जय माता दी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के तीन वर्ष पूरे होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी संस्था की सफलता उसके सदस्यों के विश्वास, पारदर्शिता और निरंतर मेहनत पर निर्भर करती है। तीन वर्षों का सफल सफर संस्था के प्रति लोगों के भरोसे को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान सभी ने माता रानी से संस्था की निरंतर उन्नति, समृद्धि और सफलता की कामना की। आयोजन श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ।

पालघर के स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता और सुविधाओं का राज्यस्तरीय जायजा

चला शालेत जाऊया अभियान के तहत वरिष्ठ अधिकारियों ने किया स्कूलों का निरीक्षण

पालघर (उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने और स्कूलों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्यभर में चलाए जा रहे चला शालेत जाऊया अभियान के तहत पालघर जिले की विभिन्न स्कूलों का राज्यस्तरीय अधिकारियों ने प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस दौरान शैक्षणिक गुणवत्ता, बुनियादी सुविधाओं तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। राज्य स्तर पर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को जिलानुसार नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। पालघर जिले के लिए राज्य परियोजना संचालक, महाराष्ट्र प्राथमिक शिक्षा परिषद, मुंबई संजय यादव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। 5 सितंबर से 20 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के तहत स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की स्कूलों के साथ पीएम श्री स्कूल, आदर्श स्कूल तथा निजी मान्यता प्राप्त अनुदानित, गैर-अनुदानित एवं स्वयं अर्थसहायित स्कूलों का भी निरीक्षण किया जा रहा है। 8 एवं 9 सितंबर को संजय यादव तथा विभागीय उपसंचालक (शिक्षा) मुंबई राजेंद्र कंकाल ने जिले की विभिन्न स्कूलों का दौरा किया। इनमें पीएम श्री स्कूल नवली, जिला परिषद स्कूल मनोर मराठी एवं उर्दू, जिला परिषद स्कूल सवादे, जिला परिषद स्कूल दादडे, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जव्हार तथा जिला परिषद स्कूल कालीधोंड शामिल हैं। इस अवसर पर शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर, शिक्षणाधिकारी (माध्यमिक) अशोक पाटील, शिक्षणाधिकारी योजना शेषराव बडे तथा डायट के प्राचार्य संभाजी भोजने सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल, स्वतंत्र शौचालय, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए रैंप, सुरक्षा दीवार, हैंडवॉश स्टेशन, विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार पर्याप्त कक्षाएं, बिजली, पंखे, पिकअप रूम तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों सहित विभिन्न भौतिक सुविधाओं का जायजा लिया गया। इसके साथ ही निपुण महाराष्ट्र, परख सर्वेक्षण, विद्या समीक्षा केंद्र, दीक्षा पोर्टल, सतत विकास लक्ष्य , नियतकालिक मूल्यांकन चाचणी , UDISE+, जयंत नारलीकर गणित एवं विज्ञान अध्ययन समृद्धि कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई।9 सितंबर को चला शालेत जाऊया अभियान के अंतर्गत जिलास्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्कूलों को मिलने वाले सीएसआर फंड, आवश्यक आर्थिक सहायता, स्कूल विकास के लिए जरूरी उपाय, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों की निगरानी, PAT, कार्य प्रदर्शन ग्रेडिंग इंडेक्स, आकांक्षी जिला एवं तहसील कार्यक्रम , SDG, निपुण महाराष्ट्र तथा परख सर्वेक्षण सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। संजय यादव ने SDG India Index के संदर्भ में स्कूली शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न सूचकांकों का विश्लेषण करते हुए आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने तुलनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की Best Practices का अध्ययन कर महाराष्ट्र की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आकांक्षी जिला एवं तहसील कार्यक्रम के तहत उपलब्ध निधि का उपयोग स्कूलों की कमियों को दूर करने में प्राथमिकता से करने तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने का आहवान किया। चला शालेत जाऊया अभियान के तहत किये गये स्कूल निरीक्षण और जिलास्तरीय समीक्षा बैठक से जिले की स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आवश्यक सुधारों की वास्तविक स्थिति प्रशासन के सामने आई है।

नगरसेवक नवीन सिंह के मित्र मनोज विश्वकर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 16 में नगरसेवक नवीन सिंह के जनसंपर्क कार्यालय पर उनके मित्र मनोज विश्वकर्मा का जन्मदिन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर केक काटकर मनोज विश्वकर्मा का जन्मदिन मनाया गया।

जन्मदिन समारोह में बड़ी संख्या में उनके मित्रगण एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने मनोज विश्वकर्मा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना की। इस दौरान जनसंपर्क कार्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। मित्रों एवं शुभचिंतकों ने केक काटकर खुशी का इजहार किया और मनोज विश्वकर्मा को अपने स्नेह एवं शुभकामनाओं से अभिभूत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने आपसी भाईचारे और मित्रता के साथ जन्मदिन समारोह को यादगार बनाया। देर तक चले इस आयोजन में सभी ने एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा की।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पायधुनी पुलिस ने तीन राज्यों से तीन आरोपी किए गिरफ्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले एक गिरोह का पायधुनी पुलिस स्टेशन ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में अलग-अलग राज्यों से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुंबई के ठक्कर स्ट्रीट स्थित ह्यअल शिफा ट्रैवल्सह्व कार्यालय के माध्यम से विदेश में नौकरी लगवाने का झांसा देकर लोगों से ठगी किए जाने की शिकायत सामने आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पायधुनी पुलिस ने जांच शुरू की और तकनीकी जानकारी तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों में तबरेज आलम अंसारी, निवासी हरियाणा, मोहम्मद शमीम अंसारी, निवासी मधुबनी, बिहार, तथा वेंकटेश गंगा चव्हाण शामिल हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार कर मुंबई लाया।

यह कार्रवाई मुंबई पुलिस आयुक्त देवन भारती, सह पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) मनोजकुमार शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त शैलेश बलकवडे के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में पायधुनी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारियों और जांच दल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है कि विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर अब तक कितने लोगों को ठगा गया है और इस गिरोह में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले की पायधुनी पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

स्वाभिमान सेवा संस्था व धामनकरनाका मित्र मंडल का गणेशोत्सव पंडाल दर्शनार्थियों के लिये बनकर तैयार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के धामनकरनाका मित्र मंडल व स्वाभिमान सेवा संस्था द्वारा बनाया गया भव्य गणेशोत्सव पंडाल दर्शनार्थियों के लिये पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है । बतादें कि मंडल का यह 38 वां वर्ष है, मंडल द्वारा हर वर्ष देश के विभिन्न प्रसिद्ध मंदिरों की हूबहू प्रतिकृति बनाकर भिवंडी की जनता को दशार्ते आ रहे हैं भिवंडी के गणेश भक्तों में भी काफी उत्साह का माहौल रहता है। इस वर्ष मंडल द्वारा वाराणसी के प्रसिद्ध स्वर्वेद महामंदिर धाम मंदिर की ११० फुट का मंदिर निर्माण किया गया है। वहीं मंदिर की कलाकृति कलकत्ता के धनंजय नामक डेकोरेटर के मार्गदर्शन में करीब १५० कुशल कारीगर उड़ीसा से आकर पिछले डेढ़ महीने से दिन रात कडी मशक्कत के फलस्वरूप तैयार किया गया है ।इस पंडाल को ईकोफ्रेंडिली तरीके से पर्यावरण को ध्यान में रखते हुये बनाया गया है जिसमे हजारों बांस हजारों मीटर कपड़ा तथा थमाकोल का प्रयोग करके तैयार किया गया है । पूरे धामनकरनाका परिसर में राष्ट्रीय एकात्मता, स्वच्छता अभियान, सर्वधर्म समभाव आदि जनता को जागरुक करने वाले बैनर-पोस्टर लगाया गया है । इसी तरह परिसर में 25 सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं , गणेश भक्तों को दर्शन के लिये किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिये पुलिस के अलावा 50 सुरक्षा रक्षक व करीब 400 मंडल के स्वयं सेवक व सिक्योरिटी गार्ड तैनात रहेंगे ।उक्त संदर्भ में जानकारी धामनकरनाका मित्रमंडल व स्वाभिमान सेवा संस्था के संस्थापक/ अध्यक्ष संतोष शेट्टी ने पत्रकार परिषद में दी है।उक्त अवसर पर महासचिव ईश्वर पामू, हसमुख भाई पटेल, दिलीप पोद्दार, राकेश पटवारी, रमेश पुजारी, प्रशांत पुजारी, नीरज कपूर, प्रवक्ता संजय भोईर आदि लोग उपस्थित थे।

गणेशोत्सव के लिए मीरा-भायंदर मनपा पूरी तरह तैयार

◆कृत्रिम तालाबों से लेकर खड्डे मुक्त सड़कों तक विशेष इंतजाम; सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था पर रहेगा विशेष जोर

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त राधाबिनोद अ. शर्मा (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में आगामी श्री गणेशोत्सव की तैयारियों को लेकर पत्रकार परिषद आयोजित की गई। इस दौरान गणेशोत्सव के दौरान नागरिकों एवं गणेश भक्तों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुगम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महानगरपालिका की ओर से की जा रही विभिन्न तैयारियों एवं उपाययोजनाओं की जानकारी दी गई। महानगरपालिका के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर श्री गणेशोत्सव स्पर्धा-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल, आकर्षक श्रीगणेश प्रतिमा, पर्यावरण पूरक सजावट, पर्यावरण एवं सामाजिक संदेश देने वाले आकर्षक देखावे तथा मंडलों द्वारा पिछले वर्ष किए गए उल्लेखनीय सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यों जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। महानगरपालिका प्रशासन ने अधिक से अधिक गणेशोत्सव मंडलों से इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया है। कृत्रिम तालाबों और विसर्जन स्थलों पर विशेष व्यवस्था

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर भी महानगरपालिका प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में कृत्रिम विसर्जन तालाबों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा प्रमुख विसर्जन स्थलों पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, आवश्यक नागरिक सुविधाएं और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे, ताकि गणेश भक्तों को विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना हमारा दायित्व : मंगल प्रभात लोढ़ा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना केवल सरकार का काम नहीं, बल्कि हमारा सामाजिक दायित्व भी है। आज देश में शांति और स्थिरता का वातावरण है, जिसके कारण उद्योग-व्यवसाय, व्यापार तथा पारिवारिक जीवन सुचारु रूप से चल रहा है। महाराष्ट्र में बेरोजगार युवक-युवतियों की संख्या बड़ी है, लेकिन इसके साथ ही रोजगार के अवसर भी बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं। हालांकि, कई बार नौकरी के लिए साक्षात्कार देने के दौरान आवश्यक कौशल या आत्मविश्वास की कमी के कारण युवा कुछ क्षेत्रों में पीछे रह जाते हैं और उन्हें अपेक्षित रोजगार नहीं मिल पाता, ऐसा प्रतिपादन कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने किया।

आगामी 29 सितंबर को पूरे महाराष्ट्र में पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को बांद्रा पूर्व स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में कौशल विकास विभाग एवं मुंबई उपनगर जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से एम्प्लॉयर राउंड टेबल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा बोल रहे थे। मंगल प्रभात लोढ़ा ने आगे कहा कि आज हर युवा का सपना एक अच्छी नौकरी पाने का है। विशेष रूप से कौशल आधारित क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों को लेकर युवाओं को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। विदेशों में कौशल आधारित क्षेत्रों में काम करने वाले युवाओं को अच्छा वेतन और रोजगार के अवसर मिलते हैं। इसी तर्ज पर महाराष्ट्र के युवाओं को कौशल आधारित एवं बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए उद्योग जगत को आगे आने की आवश्यकता है। महाराष्ट्र के 32 प्रतिष्ठित उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों के मानव संसाधन प्रबंधन (एचआर) विभाग के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। आगामी रोजगार मेले के संबंध में उद्योग एवं प्रतिष्ठानों की कोई सूचना, आपत्ति अथवा सुझाव हो, तो उन्हें जल्द से जल्द अवगत कराया जाए। कौशल विकास विभाग की ओर से उद्योग एवं प्रतिष्ठानों के लिए ऑनलाइन आवेदन उपलब्ध कराया गया है। संबंधित उद्योग एवं प्रतिष्ठानों को जल्द से जल्द आवेदन भरकर अपना पंजीकरण कराना चाहिए। ऑनलाइन आवेदन भरते समय किसी कंपनी को तकनीकी समस्या या किसी प्रकार की परेशानी आती है, तो वह कौशल विकास विभाग अथवा संबंधित जिलाधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकती है। पूरे महाराष्ट्र के उद्योग एवं प्रतिष्ठानों से इस रोजगार मेले में सहभागिता के लिए पंजीकरण कराने का आह्वान भी मंत्री लोढ़ा ने किया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के विकास के लिए जिस तरह से कार्य कर रहे हैं, उसी प्रकार राज्य के विकास में हमें भी अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए। यह भावना प्रत्येक कंपनी में होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना देश के सामने रखा है। यह सपना अब धीरे-धीरे साकार होता दिखाई दे रहा है और भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, ऐसा भी लोढ़ा ने कहा। इस अवसर पर मुंबई उपनगर जिले के जिलाधिकारी सौरभ कटियार भी उपस्थित थे।

तलासरी में DYFI के धरना आंदोलन पर सकारात्मक चर्चा, शिक्षकों की नियुक्ति का आश्वासन

◆16 से 18 सितंबर के बीच समुपदेशन के बाद तत्काल दिए जायेंगे नियुक्ति आदेश

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। तलासरी तहसील स्थित जिला परिषद स्कूलों में कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए शिक्षकों की नियुक्ति, कक्षाओं की मरम्मत तथा बुनियादी सुविधाओं सहित कुल 16 मांगों को लेकर DYFI तलासरी तहसील समिति की ओर से 8 सितंबर से पंचायत समिति कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन शुरू किया गया है। आंदोलन के मद्देनजर 10 सितंबर को जिला परिषद पालघर की शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल से विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा की।

चर्चा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए रिक्त 18 शिक्षकों के पदों पर तत्काल शिक्षकों की उपलब्धता की मांग प्रमुखता से रखी। इस पर शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर ने आश्वासन दिया कि विद्यार्थियों का शैक्षणिक नुकसान रोकने के लिए पवित्र पोर्टल के माध्यम से होने वाली नई शिक्षक भर्ती में तलासरी तालुका की 9वीं और 10वीं कक्षाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। संबंधित उम्मीदवारों के दस्तावेजों का सत्यापन पूरा हो चुका है। 16 से 18 सितंबर के बीच पालघर में समुपदेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद तत्काल नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, **प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति** द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

लोहे की सरिया से हमला कर युवक की हत्या, शव सड़क पर रखकर लगाया जाम

पुराने विवाद में हत्या का आरोप, मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े सात बजे लोहे की सरिया से हमला कर एक युवक की हत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विशाल यादव (28) पुत्र स्वर्गीय जोखू यादव, निवासी तिवारीपुर के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, विशाल यादव का रामदयालगंज बाजार निवासी एक व्यक्ति से पहले से विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर युवक पर लोहे की सरिया से हमला किया गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने युवक का शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। इससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।

पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाने और जाम समाप्त कराने का प्रयास किया। अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। हत्या के कारणों और घटना में शामिल आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि तहरीर और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है।

नगर पालिका जौनपुर में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर सड़क पर उतरीं सपा नेत्री

सफाई, निर्माण, रख-रखाव में जबर्दस्त लापरवाही बरती जा रहीः उषा जायसवाल

जिलाधिकारी को सम्बोधित 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम को सौंपा गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं कार्यों में लापरवाही को लेकर सपा नेत्री उषा जायसवाल के नेतृत्व में शुक्रवार को जबर्दस्त प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी को सम्बोधित 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उनके प्रतिनिधि के रूप में मौजूद मुख्य राजस्व अधिकारी को सौंपा गया।

पत्रक के माध्यम से समाजवादी पार्टी महिला सभा की प्रदेश सचिव उषा जायसवाल ने कहा कि साफ–सफाई, निर्माण आदि में जबर्दस्त लापरवाही बरती जा रही है। देखा जा रहा है कि जिला कारागार के पीछे स्थित पार्क, पॉलिटेक्निक चौराहे के पास स्थित लोहिया पार्क के रख–रखाव में लापरवाही है। वहीं नगर पालिका द्वारा सप्लाई किये जाने वाले पेयजल को स्वच्छ एवं सुचारू रूप से न किये जाने, सद्भावना पुल के बगल में स्थित गोपी घाट पर नमामि गंगे द्वारा बनाया गया चेंजिंग रूम, शुलभ शौचालय को नगर पालिका को हैण्ड ओवर किये जाने, टूटी सड़क को समय से ठीक किये जाने, समय से मच्छरों के प्रकोप से बचने हेतु दवा का छिड़काव किये जाने की बात भी सपा नेत्री ने किया।

श्रीमती जायसवाल ने आगे कहा कि चेयरमैन के कार्यों से ऐसा प्रतीत

हो रहा है कि नगर पालिका जौनपुर भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। विरोध प्रदर्शन करते हुये उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में जिला प्रशासन को चेताया कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाया गया तो नगर पालिका क्षेत्र का आम जनमानस सड़क पर आन्दोलन करने को मजबूर हो जायेगा। इसकी सारी जिम्मेदारी नगर पालिका व जिला प्रशासन की होगी।

उक्त अवसर पर प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी राजेश यादव, प्रदेश सचिव सुशील चन्द्र दुबे, सदर विधानसभा अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव, सदर विधानसभा अध्यक्ष महिला सभा सुशील यादव, सदर महासचिव पूनम यादव, नगर अध्यक्ष शिवांगी यादव, राधिका यादव, पूजा यादव, शालिनी यादव, सोनी यादव, डा. जंग बहादुर यादव, सुहैल अहमद एडवोकेट, रंजीत सोनकर, मोनू सोनकर, जीशान अहमद, कमलेश यादव, संदीप यादव एडवोकेट, गगन जायसवाल, लालता यादव सहित तमाम लोग मौजूद है।

लखनऊ के होटल में अलग-अलग धर्म के कपल ने फांसी लगाकर दी जान

हरदोई से भागकर आए थे दोनों, 18 दिनों से होटल में ठहरे थे

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ के एक होटल में अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखने वाले एक युवक

और युवती ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान हरदोई निवासी अमित कुमार और नरगिस के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों घर से निकलकर लखनऊ आए थे और आर्य समाज मंदिर में शादी करने के बाद पिछले करीब 18 दिनों से एक होटल में रह रहे थे। दोनों के अलग-अलग धर्म से होने के कारण परिवार इस रिश्ते के खिलाफ था। होटल के कमरे से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें दोनों ने अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात लिखी है और उनकी मौत के बाद परिवार के किसी सदस्य को परेशान न करने का अनुरोध किया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है।

भेलूपुर पुलिस ने वाहन चोर को किया गिरफ्तार, चोरी की चार स्कूटी बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। भेलूपुर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की चार स्कूटी बरामद की हैं। पुलिस ने मुखबिर की सूचना, सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई को अंजाम दिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल विश्वकर्मा पुत्र राजकुमार विश्वकर्मा (25 वर्ष) के रूप में हुई है। वह शिल्पी सिनेमा, खोजवां के पास रवि शास्त्री के मकान में किराए पर रहता है। पुलिस के अनुसार उसे 10 सितंबर की रात करीब 11:50 बजे संकुलधारा पोखरा के पीछे से गिरफ्तार किया गया। भेलूपुर थाने में वादी की स्कूटी संख्या UP65FM5607 चोरी होने के संबंध में मुकदमा संख्या 0521/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से UP65FM5607, UP65DA0471, UP65C8065 और UP65BY0295 नंबर की चार स्कूटी बरामद कीं।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ भेलूपुर और चेतगंज थानों में वाहन चोरी से संबंधित तीन अन्य मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक दुर्गा सिंह, चौकी प्रभारी दुगाकुंड संदीप कुमार सिंह, चौकी प्रभारी खोजवां मनोज कुमार चौहान सहित कुल 10 पुलिसकर्मी शामिल रहे।

मानसिक परेशानी में चुप न रहें, बात करें और मदद लें

वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में मनाया गया विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक तनाव और आत्महत्या की रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्महत्या के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत सहित कई कारण हो सकते हैं। सकारात्मक वातावरण, संवेदनशील संवाद और समय पर सहयोग से ऐसे संकटों को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या की रोकथाम सामूहिक जिम्मेदारी है।

वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के तीन महत्वपूर्ण चरण 'देखें, सुनें और सहायता करें' बताए। उन्होंने समझाया कि 'देखें'का अर्थ संकट के संकेतों को पहचानना, 'सुनें' का अर्थ व्यक्ति की बात को संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ सुनना तथा

'सहायता करें' का अर्थ आवश्यक सहयोग देना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ या मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर परामर्श बेहद महत्वपूर्ण है। किसी परेशान व्यक्ति से बातचीत करना और उसे भावनात्मक सहयोग देना कई बार महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है।

जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि विद्यार्थियों और युवाओं पर पढ़ाई, सामाजिक अपेक्षाओं, डिजिटल माध्यमों तथा विभिन्न प्रकार के मानसिक दबावों का प्रभाव पड़ सकता है। साइबर अपराध या ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के बाद भी व्यक्ति तनाव में आ सकता है। ऐसे समय में पीड़ित को दोष देने के बजाय उसकी बात सुनना और सहयोग देना जरूरी है।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ईएसआई अस्पताल में मरीजों को मिली बड़ी राहत

हिंडाल्को सीएसआर ने दिए आरओ वॉटर कूलर व 30 स्टील चेयर

सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट की कॉर्पोरेट सोशल

रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) पहल के तहत ईएसआई अस्पताल, रेणुकूट में मरीजों, उनके परिजनों एवं अस्पताल आने वाले आगंतुकों की सुविधा के लिए आरओ युक्त वॉटर कूलर और 30 स्टील विजिटर चेयर प्रदान की गईं।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड की ओर से वरिष्ठ अधिकारी यशवंत कुमार, अनिल झा, सुशील ब्रह्मचारी एवं डॉ. डीपी सक्सेना मौजूद रहे। वहीं ईएसआई अस्पताल की ओर से अधीक्षक डॉ. ए.के. त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों की मौजूदगी में अस्पताल परिसर में आरओ वॉटर कूलर एवं स्टील चेयर का औपचारिक रूप से हस्तांतरण किया गया।

सीएसआर के माध्यम से उपलब्ध कराई गई इन सुविधाओं का उद्देश्य अस्पताल आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ पेयजल और प्रतीक्षा के दौरान बेहतर बैठने की सुविधा उपलब्ध कराना है। अस्पताल प्रशासन ने हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा प्रतिदिन अस्पताल आने वाले सैकड़ों मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए उपयोगी साबित होगी।

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में लगातार सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से योगदान दिया जा रहा है। ईएसआई अस्पताल में उपलब्ध कराई गई यह सुविधा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुविधाजनक एवं जनहितकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीएसआर विभाग से सचिन सिंह, प्रदीप सोनी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

दक्षिण पट्टी (रन्नो) में ग्राम चौपाल आयोजित, ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड बक्शा के ग्राम पंचायत दक्षिण पट्टी (रन्नो) में शुक्रवार को ह्लग्राम चौपाल–गाँव की समस्या, गाँव में समाधानह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को गांव स्तर पर सुनकर उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना रहा। सचिवालय परिसर में आयोजित ग्राम चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव उमेश कुमार सोनकर, ग्राम प्रधान रामजीत यादव तथा प्रधान प्रतिनिधि डॉ. राजेंद्र प्रसाद यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, साफ-सफाई, सड़क, नाली, बिजली, पेंशन, राशन सहित विभिन्न जनसमस्याओं को संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदारों के समक्ष रखा। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों ने नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि ग्राम चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों को छोटी-बड़ी समस्याओं के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है। गांव में ही समस्याओं की सुनवाई कर उनके समाधान की प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है।

केराकत में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

मां–बाप का इकलौता बेटा था 22 वर्षीय अरमान अली

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र की थानागद्दी चौकी अंतर्गत मथुरापुर गांव में गुरुवार देर रात एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान 22 वर्षीय अरमान अली के रूप में हुई है। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था।

घटना की जानकारी होने पर परिजनों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते घर में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर थानागद्दी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। वहीं, इकलौते बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाइक सवार बाइक सहित बसुही नदी में गिरा, ग्रामीणों ने बचाया

मछलीशहर(उत्तरशक्ति)। बसुही नदी पर बामी भटेवरा के बीच बने चार फीट चौड़े पुल को पार करते समय एक राहगीर बुधवार की शाम भरी नदी में बाइक समेत गिर गया। आस पास खड़े ग्रामीणों ने बड़ी मुस्तैदी के साथ उसे डूबने से बचा लिया। क्योंकि बाइक सवार तैरना भी नही जानता था। बाद में ग्रामीणों ने और लोगों को बुलाकर बाइक भी नदी में से निकाला। ग्रामीणों का कहना है कि बामी भटेवरा सहित दर्जनों गांवों के लोग इस मार्ग पर स्थायी पुल बनाने की मांग पिछले दो दशकों से कर रहे हैं लेकिन उन्हें आज तक आश्वासन के शिवाय उन्हें कुछ नहीं मिला। शासन, प्रशासन और जनप्रतिधियों से ग्रामीणों ने स्थाई पुल बनवाने की मांग की है।

किसान सेवा आश्रम का ट्रस्ट के रूप में पंजीकरण, जरूरतमंदों की सेवा को बनेगी प्राथमिकता

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। समाज के जरूरतमंद, असहाय एवं वंचित वर्गों के कल्याण के उद्देश्य से किसान सेवा आश्रम का ट्रस्ट के रूप में गठन एवं पंजीकरण कराया गया है। शुक्रवार को रावट्र्सगंज तहसील परिसर में आयोजित बैठक में ट्रस्ट की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से देवशरण सिंह उर्फ बाबा को अध्यक्ष, संतोष कुमार पाठक को उपाध्यक्ष तथा प्रमोद कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं पवन कुमार सिंह, जग्गू यादव, श्रीपति सिंह, अनिल कुमार तिवारी, राजेश कुमार यादव एवं राजकुमार सिंह सहित अन्य सामाजिक कार्यकताओं को ट्रस्ट में शामिल किया गया।

ट्रस्ट के माध्यम से अनाथालय, विधवा आश्रम तथा महिलाओं के विकास एवं सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और स्वावलंबन के क्षेत्र में भी जरूरतमंद लोगों को सहयोग प्रदान किया जाएगा।

अध्यक्ष देवशरण सिंह उर्फ बाबा ने कहा कि किसान सेवा आश्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाना है। विशेष रूप से अनाथ बच्चों, विधवाओं एवं महिलाओं को सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ट्रस्ट केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जरूरतमंद लोगों को आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास करेगा।

कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता पवन कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर राजेश कुमार यादव, राजेंद्र कुमार यादव, फूल सिंह पटेल, विनय कुमार सिंह, दशरथ यादव, राजकुमार सिंह, शाहनवाज आलम खान, टीटू कुमार गुप्ता, आदर्श देव पांडेय, नवीन पांडेय एवं अजय कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, सात गिरफ्तार

दुल्हन से लेकर पिता-भाई और रिश्तेदार तक का किरदार निभाते थे आरोपी, शादी के बाद नकदी-जेवर लेकर हो जाते थे फरार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। बरदह थाना पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 19,650 रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण, कपड़े और दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य शादी के इच्छुक युवकों को अपने जाल में फंसाते थे। गिरोह की महिला सदस्य को दुल्हन बनाकर उसकी फोटो लड़के पक्ष को भेजी जाती थी। इसके बाद अन्य सदस्य लड़की के पिता, भाई और रिश्तेदार बनकर मंदिर में शादी का नाटक करते थे। शादी के दौरान लड़के पक्ष से रुपये और जेवर लिए जाते थे। इसके बाद विवाद खड़ा कर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर नकदी, आभूषण और कपड़े लेकर फरार हो जाते थे।

मामला हरदोई जिले के बिलग्राम थाना क्षेत्र के छिबरामऊ निवासी रामबिलाश की शिकायत से सामने आया। उन्होंने 9 सितंबर को बरदह थाने में तहरीर देकर बताया कि उनके पुत्र राजकुमार की शादी के लिए व्हाट्सऐप पर लड़की की फोटो भेजी गई थी। इसके बाद बंधवा महादेव मंदिर में शादी कराई गई। शादी के दौरान लड़की को नाक की कील और 80

हजार रुपये नकद दिए गए।

शादी के बाद राजकुमार लड़की को लेकर घर जा रहा था। इसी दौरान बंधवा मोड़ के पास कथित पिता, भाई और मनोज ने उसे वाहन से उतार दिया और लड़की व रुपये लेकर फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

11 सितंबर को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा– उपनिरीक्षक मनीष सिंह की टीम को सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी कोदहरा चौराहे पर दो मोटरसाइकिलों के साथ मौजूद हैं और भागने की तैयारी में हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर पांच पुरुषों और दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 19,650 रुपये, पायल, मंगलसूत्र, कान के झुमके, नाक की कील, सिन्दूर की डिब्बी, दो साड़ी, पैंट-शर्ट का कपड़ा और दो मोटरसाइकिलें बरामद कीं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी बजरंगी बिन्द के खिलाफ जौनपुर, देवरिया और आजमगढ़ में ठगी, धोखाधड़ी एवं गैंगस्टर एक्ट समेत पांच मुकदमे दर्ज हैं। वहीं जय किशन उर्फ अजीत के खिलाफ चार मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। मामले में बरदह थाने पर धारा 319(2), 318(4), 111(2)(II), 317(4), 115(2), 351(3) और 352 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए मेडिकल कॉलेज जौनपुर में एचपीवी टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर) से बचाव के उद्देश्य से उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में किशोरियों के लिए एचपीवी (Human Papillomavirus) टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। *यह टीकाकरण 14-15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों* के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

स्त्री एवं प्रसूति रोग की विभागाध्यक्ष डॉ0 सरिता पांडेय एवं बाल रोग की विभागाध्यक्ष डॉ0 ममता ने बताया कि प्रत्येक सप्ताह बुधवार एवं शनिवार, सप्ताह में दो दिन एचपीवी टीकाकरण की सुविधा

मेडिकल कॉलेज में प्रदान की जा रही है। पात्र किशोरियों के अभिभावक निर्धारित दिवसों पर अपनी पुत्रियों को मेडिकल कॉलेज लाकर चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक प्रक्रिया के उपरांत टीका लगवा सकते हैं।

चिकित्सकों के अनुसार, ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV) संक्रमण सर्वाइकल कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। एचपीवी वैक्सीन इस संक्रमण से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किशोरावस्था में टीकाकरण कराने से भविष्य में एचपीवी संक्रमण तथा उससे संबंधित गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में सहायता मिलती है। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे अपनी पात्र आयु की बेटियों के एचपीवी टीकाकरण के संबंध में चिकित्सकीय सलाह प्राप्त करें।

प्रधानाचार्य प्रो0 (डॉ0) आर0बी0 कमल ने कहा कि महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए जागरूकता एवं समय पर टीकाकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेडिकल कॉलेज का उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना ही नहीं, बल्कि रोगों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देना भी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे एचपीवी टीकाकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त करें और अपनी पात्र बेटियों को निर्धारित दिवस पर मेडिकल कॉलेज लाकर टीकाकरण का लाभ दिलाएं।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ) ए.ए. जाफरी ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा चिकित्सकीय परामर्श के लिए अभिभावक बाल रोग विभाग, उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाकर ही एचपीवी संक्रमण एवं सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में प्रभावी कदम उठाया जा सकता है।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि 14-15 वर्ष आयु वर्ग की पात्र किशोरियों के एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक रहें तथा निर्धारित बुधवार एवं शनिवार को बाल रोग विभाग में चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर टीकाकरण की सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने भाजपा पिछड़ा मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष से की मुलाकात, कार्यकताओं से किया संवाद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने चीनी मिल कॉलोनी, महमूदाबाद, सीतापुर में भाजपा पिछड़ा मोर्चा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अंकुश राज विश्वकर्मा के आवास पर पहुंचकर आत्मीय भेंट एवं शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान अंकुश राज विश्वकर्मा ने राज्य मंत्री का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

मुलाकात के दौरान राज्य मंत्री ने उपस्थित पार्टी कार्यकताओं से संवाद किया तथा संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए उनके विचार एवं सुझाव जाने। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का उत्साह, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा ही संगठन की मजबूती का आधार है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय राजनीतिक गतिविधियों, पिछड़ा वर्ग

के कल्याण से जुड़ी योजनाओं तथा संगठन के विस्तार को लेकर भी चर्चा हुई। कार्यकताओं ने क्षेत्र की समस्याओं और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर अपने सुझाव राज्य मंत्री के समक्ष रखे।

राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि 'संगठन ही हमारी शक्ति है और कार्यकर्ता उसकी नींव हैं। कार्यकताओं का उत्साह, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा हम सभी को निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करती है।' भेंटवार्ता सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। मुलाकात को लेकर पार्टी कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला।

डॉ राजेंद्र कुमावत हुआ स्वागत

चिराना। शिव गोरा ट्रस्ट द्वारा गोल्याना धाम में आयोजित मेला कार्यक्रम के दौरान एक समाज के सम्मान समारोह में आज चिराना पहुंचने पर प्रगतिशील कुमावत समिति गणेश मंदिर लोहार्गल के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान संरक्षक डॉ.राजेंद्र कुमावत जो कि समाजसेवक होने के साथ-साथ कुमावत समाज के अनेक कार्यक्रम के संयोजक आयोजन अथवा कई सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में जागृति पैदा करने का उन्होंने बहुत ही सराहनीय प्रयास किया। गुरुवार को उनके स्वयं के प्रतिष्ठान श्री गणेश मेडिकल स्टोर चिराना में व्यक्तिगत मुलाकात का अवसर मिला। कुमावत सेवा समिति दांतारामगढ़ के संस्थापक पदाधिकारी श्यामलाल पारमुवाल व संस्थापक अध्यक्ष प्रभु पिपलोदा ने दातारामगढ़ समाज की हाल ही प्रकाशित हुई स्मारिका देकर व खाटू श्याम का दुप्पटा पहनाकर डॉ कुमावत का सम्मान किया गया।

मड़ियाहूं बाजार में विधिक माप विज्ञान विभाग की छापेमारी, मिठाई में घटतौली और ओवरचार्जिंग पकड़ी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन के निर्देश पर वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, जौनपुर के नेतृत्व में गठित टीम ने शुक्रवार को मड़ियाहूं बाजार में सघन निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान मिठाई में घटतौली, पेय पदार्थ पर ओवरचार्जिंग तथा बांट-माप का नियमानुसार सत्यापन न कराने के मामले सामने आए। विभाग ने संबंधित दुकानदारों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की।

निरीक्षण के दौरान मे. चौरसिया मिष्ठान भंडार, सदरगंज, मड़ियाहूं में एक किलोग्राम मिठाई पर 76 ग्राम तथा मे. बीकानेर मिष्ठान भंडार में एक किलोग्राम मिठाई पर 92 ग्राम घटतौली पाई गई। दोनों प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसी क्रम में मे. विनोद जलपान गृह, सिपाह रेलवे फाटक के समीप, जौनपुर में एक लीटर स्प्राइट के विक्रय में निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली यानी ओवरचार्जिंग पाए जाने पर विधिक कार्रवाई की गई। इसके अलावा धर्मेंद्र कुमार, ओमप्रकाश ज्वेलर्स, बनारसी अलंकार मंदिर, हर्ष मोदनवाल (मिठाई विक्रेता), मोहनलाल (मिठाई विक्रेता), गारन्टी ज्वेलर्स, सुमित्रा देवी (मिठाई विक्रेता), शाहआलम (सब्जी विक्रेता) एवं एमएन ट्रेडर्स, जौनपुर के बांट-माप नियमानुसार सत्यापित एवं मुद्रांकित नहीं पाए गए। इन सभी के विरुद्ध विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई।

विभागीय टीम ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी वस्तु की बिक्री अंकित मूल्य से अधिक कीमत पर न की जाए। साथ ही सभी व्यापारी अपने बांट एवं माप का समय से सत्यापन एवं मुद्रांकन कराना सुनिश्चित करें।

विभाग ने चेतावनी दी कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए इस तरह की जांच एवं कार्रवाई आगामी महीनों में भी लगातार जारी रहेगी।

आस्था सिंह भाषण प्रतियोगिता में अव्वल

स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की प्रासंगिकता पर प्रतियोगिता में 61 ने किया प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन कल उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों से 61 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरांत आज स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में सम्मान एवं समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के 11 सितंबर 1893 के ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता एवं भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक सहिष्णुता, विश्वबंधुत्व तथा मानवता के संदेश पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने वर्तमान समय में स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक समरसता, सहिष्णुता, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

प्रतियोगिता में एच आर डी विभाग की छात्रा आस्था सिंह ने अधिकतम अंक प्राप्त करके प्रथम, वैशाली राय ने द्वितीय तथा अमृता सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित सम्मान समारोह में विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और मानवतावादी दृष्टिकोण का विश्व के समक्ष प्रभावशाली परिचय था। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. राजकुमार सोनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण केवल एक ऐतिहासिक संबोधन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व का वैश्विक संदेश है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद के साहित्य एवं विचारों का अध्ययन कर उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक विभागाध्यक्ष एच आर डी विभाग डॉ. रसिकेश ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति की क्षमता, सार्वजनिक वक्तृत्व-कौशल तथा भारतीय संस्कृति और मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और चिंतन युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. इंद्रेश गंगवार एवं शोधार्थी उद्देश्य सिंह शामिल रहे। निर्णायक मंडल के निर्णय के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया।

इस अवसर पर डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, प्रो. मिथिलेश, इंद्रेश गंगवार, डॉ अनुपम कुमार , डॉ प्रवीण मिश्रा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन छात्र अवंतिका यादव एवं प्रांजल मौर्य ने किया स्वयंसेवक इंचार्ज दिव्यांशु सिंह एवं ऐशवी अस्थाना रहे। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के आयोजक प्रो. राजकुमार ने किया।

आरबीआई के उप-गवर्नर ने मल्टी-करेंसी क्षमताओं की शुरूआत की

पटना (उत्तरशक्ति)। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर रोहित जैन ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में भारत कनेक्ट पर फॉरेक्स कैटेगरी के लिए मल्टी-करेंसी क्षमताओं की शुरूआत की घोषणा की। यह पहल फिलहाल सॉफ्ट लॉन्च के रूप में की जा रही है। टेस्टिंग चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने और उसके आकलन के बाद, इस सुविधा को भारत कनेक्ट के अधिक चैनलों और भागीदार बैंकों तक विस्तारित करने का प्रस्ताव है। सीसीआईएल के एमडी नंद किशोर ने कहा कि आज का लॉन्च रिटेल विदेशी मुद्रा सेवाओं को सभी बाजार प्रतिभागियों के लिए अधिक सुलभ, सुविधाजनक और समावेशी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

गणेशोत्सव के लिए कोंकण जाने वाली 584 एसटी बसों के चालक-परिचालकों के लिए राजन नाइक की पहल

नालासोपारा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर वसई तालुका सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने गांव और विशेषकर कोंकण जाते हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस वर्ष नालासोपारा डिपो से कोंकण के विभिन्न हिस्सों के लिए 584 एसटी बसों का संचालन किया जाएगा। इसके लिए राज्य के विभिन्न एसटी डिपो से चालक और परिचालक नालासोपारा डिपो पहुंच चुके हैं।

गणेशोत्सव के दौरान यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराने में जुटे इन एसटी कर्मचारियों के लिए नालासोपारा के विधायक राजन नाइक की पहल पर रहने और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है।

पिछले कई वर्षों से जारी इस सेवा को इस वर्ष भी आगे बढ़ाते हुए डिपो में आने वाले चालक-परिचालकों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए विधायक राजन नाइक ने चालक और परिचालकों से मुलाकात कर उनका स्वागत किया तथा गणेशोत्सव के दौरान हजारों यात्रियों को सुरक्षित उनके गांव तक पहुंचाने में निभाई जा रही उनकी जिम्मेदारी की सराहना की।

राजन नाइक ने कहा कि एसटी चालक और परिचालक गणेश भक्तों को उनके परिवारों तक सुरक्षित पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। उनकी सेवा भी एक तरह से गणेश सेवा के समान है। इसी भावना के साथ उनके रहने और भोजन की व्यवस्था की गई है।चालक-परिचालकों ने भी इस पहल के लिए विधायक राजन नाइक का आभार व्यक्त किया। डिपो मैनेजर नवनीत गावित ने भी कर्मचारियों की सुविधा के लिए की गई इस व्यवस्था और सहयोग के लिए विधायक का धन्यवाद किया।

इस सेवा व्यवस्था में जिला महासचिव मनोज बारोट, युवा मोर्चा अध्यक्ष विनीत तिवारी, पार्षद जयप्रकाश वाजे, मंडल अध्यक्ष सतीश सिंह, जितेंद्र नाइक, वसंत पवार, सुजीत विश्वकर्मा, जनार्दन काटकर सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का भी सहयोग रहा।

जन्मदिन पर मिला अनूठा उपहार, कलम से मुकद्दर लिखने की दी सीख

चिराना। जन्मदिन के अवसर पर आमतौर पर बच्चों को खिलौने, कपड़े अथवा अन्य उपहार दिए जाते हैं, लेकिन चिराना निवासी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने अपने पौत्र दिव्यांश को ऐसा अनूठा उपहार दिया, जो उसके जीवनभर के लिए प्रेरणा बन सकता है। गणेश मंदिर के सामने स्थित ॐ श्री मातृ कृपा भवन में दिव्यांश का जन्मदिन परिवारजनों के साथ हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र कुमावत ने पौत्र को आर्टिफिशियल कालिदास की कलम भेंट करते हुए कहा कि जो बच्चा कलम के महत्व को समझ लेता है, वही आगे चलकर अपने मुकद्दर की इबारत स्वयं लिखता है।

उन्होंने कहा कि जन्मदिन केवल केक काटने और उपहार लेने का अवसर नहीं, बल्कि बच्चों को अच्छे संस्कार, शिक्षा और जीवन के सही मूल्यों से जोड़ने का दिन भी होना चाहिए। कलम ज्ञान, विचार और सृजन की प्रतीक है। इसलिए बच्चों को बचपन से ही पढ़ाई और लेखन के प्रति प्रेरित करना परिवार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इससे पूर्व बच्चों ने उत्साहपूर्वक हैप्पी बर्थडे टू यू के स्वर गूंजाए और केक काटकर सभी का मुंह मीठा करवाया। परिवारजनों ने दिव्यांश को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। शाम को पूरा परिवार अपने अजीज जनों के साथ मयूर होटल पहुंचा, जहां सामूहिक डिनर के साथ जन्मदिन की खुशियों को यादगार बनाया गया। उपहार छोटा, संदेश बड़ा दिव्यांश को दी गई यह कलम केवल एक उपहार नहीं, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और आत्मनिर्भर भविष्य का प्रतीक बनी।

ऐसे अवसरों पर बच्चों को महंगे उपहारों के बजाय यदि कोई ऐसी वस्तु दी जाए जो उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे, तो जन्मदिन का उत्सव वास्तव में सार्थक बन जाता है। याद रखे खिलौने कुछ वर्षों तक साथ रहते हैं, लेकिन कलम से मिले संस्कार और ज्ञान पूरी जिंदगी साथ चलते हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकताओं के मानदेय में वृद्धि और स्वास्थ्य बीमा की घोषणा स्वागतयोग्य : सुदीप्ति सिंह

जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाश जाटव की सामाजिक सोच समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान, सुरक्षा और अधिकार पहुंचाने की रही है। इसी उद्देश्य से संगठन ने 31 दिसंबर 2025 से आंगनबाड़ी, आशा, आशा संगिनी एवं मिड-डे मील वर्कर्स के अधिकारों को लेकर राष्ट्रव्यापी ज्ञापन-पत्र अभियान शुरू किया था।

मुंबई। भारतीय जनता मजदूर संघ की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं उत्तर भारत प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र की वरिष्ठ नेता सुदीप्ति सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में वृद्धि तथा ?5 लाख तक के आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा कवर की घोषणा का स्वागत किया है। उन्होंने इस निर्णय के लिए प्रदेश सरकार को बधाई देते हुए इसे आंगनबाड़ी कार्यकताओं के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

सुदीप्ति सिंह ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं वर्षों से बच्चों, माताओं तथा समाज के कमजोर वर्गों के बीच महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रही हैं। ऐसे में मानदेय में वृद्धि और स्वास्थ्य बीमा की सुविधा उनके लिए उत्साहवर्धक है।

उन्होंने बताया कि भारतीय

उन्होंने कहा कि यह अभियान शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से चलाया गया, जिसमें पत्र, ज्ञापन और संवाद के माध्यम से कार्यकताओं की समस्याएं सरकार तक पहुंचाई गईं। उत्तर प्रदेश सरकार की घोषणा को उन्होंने अभियान की मांगों की दिशा में सकारात्मक कदम बताया।

सुदीप्ति सिंह ने कहा कि अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। संगठन का प्रयास है कि देशभर में आंगनबाड़ी, आशा, आशा संगिनी एवं मिड-डे मील वर्कर्स को सम्मानजनक मानदेय, श्रमिकों के अनुरूप पहचान, स्वास्थ्य सुरक्षा और व्यापक सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि संगठित सोच, लोकतांत्रिक संवाद और निरंतर प्रयासों के माध्यम से भी सकारात्मक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

गाजीपुर-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस को दैनिक करने की मांग, सांसद प्रतिनिधि को सौंपा पत्र

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। गाजीपुर से बांद्रा टर्मिनल के बीच चलने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस को दैनिक किए जाने की मांग को लेकर उत्तर यादव युवा संघ की टीम ने आजमगढ़ स्थित पीडीए भवन पहुंचकर सांसद प्रतिनिधि विपिन यादव को पत्र सौंपा।

संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव के नेतृत्व में टीम ने सांसद धर्मेंद्र यादव से इस महत्वपूर्ण जनसमस्या को संसद में उठाने और रेलवे से ट्रेन को प्रतिदिन चलाने की मांग करने का आग्रह किया।

टीम का कहना है कि गाजीपुर-बांद्रा एक्सप्रेस के दैनिक संचालन से पूर्वांचल के यात्रियों, विशेषकर मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने वाले लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। वर्तमान में ट्रेन के सीमित दिनों में संचालन के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उत्तर यादव युवा संघ ने सांसद प्रतिनिधि से आग्रह किया कि गाजीपुर-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस को दैनिक करने की मांग को संसद में प्रमुखता से उठाया जाए, ताकि यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान हो सके। प्रतिनिधि विपिन यादव ने टीम को मांग को सांसद तक पहुंचाने और उचित स्तर पर पहल करने का भरोसा दिलाया।

एचपीवी सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल: कुलपति

फामेर्सी संस्थान में हुआ टीकाकरण स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फामेर्सी संस्थान में सरकार द्वारा संचालित एचपीवी टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा। फामेर्सी संस्थान द्वारा यह विशेष अभियान 11 और 16 सितंबर 2026 को संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान बालिकाओं और उनके अभिभावकों को एचपीवी संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर, टीकाकरण की उपयोगिता तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।

कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कुलसचिव ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में स्वास्थ्य जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका है और विश्वविद्यालय ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा।

इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, एनएसएस समन्वयक शशिकांत यादव सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. नृपेंद्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. पूजा सक्सेना एवं डॉ. श्वेता पांडेय ने सहयोग और समन्वय प्रदान किया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण मामले में सरकार से मांगा जवाब, 6.41 करोड़ जुमार्ने की वसूली पर रोक

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण और उस पर लगाए गए 6 करोड़ 41 लाख रुपये के जुमार्ने से जुड़े मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से तीन सप्ताह के भीतर काउंटर एफिडेविट दाखिल करने को कहा है। अदालत ने मस्जिद कमेटी से जुमार्ने की वसूली पर अंतरिम रोक लगाते हुए मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को निर्धारित की है।

मस्जिद प्रबंधन समिति की ओर से दाखिल रिट याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। याचिका में प्रशासन की कार्रवाई को चुनौती देते हुए उसे निरस्त करने और आगे किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं करने का अनुरोध किया गया है। कमेटी की ओर से आरोप लगाया गया है कि जिला प्रशासन ने कथित तौर पर कानूनी नोटिस और उचित ध्वस्तीकरण आदेश के बिना मस्जिद को ध्वस्त किया।

6.41 करोड़ रुपये के जुमार्ने पर रोक

मामले में नगर मजिस्ट्रेट, सहारनपुर की ओर से मस्जिद कमेटी पर 6 करोड़ 41 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। हाईकोर्ट ने फिलहाल इस जुमार्ने की वसूली पर अंतरिम रोक लगा दी है। राज्य सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया गया है। बताया गया कि सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित मस्जिद को जुलाई 2026 में प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट का रुख किया। याचिका में प्रशासनिक कार्रवाई के साथ ही पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के संभावित उल्लंघन का भी मुद्दा उठाया गया है।

12 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्धारित अवधि में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर 2026 को होगी। अदालत के अगले आदेश के बाद ही जुमार्ने और प्रशासनिक कार्रवाई से जुड़े विवाद पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

बदलापुर विधानसभा में जन गण विश्वास पदयात्रा ने रचा इतिहास यह यात्रा नहीं, आंदोलन है : बाबा दुबे

जौनपुर। बदलापुर विधानसभा के प्रथम विधायक ओमप्रकाश दुबे, जिन्हें लोग बाबा दुबे के नाम से जानते हैं, इन दिनों जन गण विश्वास पदयात्रा कर रहे हैं। 4 अगस्त 2026 को करशूलनाथ धाम से शुरू की गई यात्रा धीरे-धीरे ऐतिहासिक यात्रा के रूप में तब्दील होती जा रही है। अब तक बाबा दुबे ने 400 से अधिक किलोमीटर की जन गण विश्वास पदयात्रा की है। आजादी के बाद से देश का शायद ही किसी विधायक या सांसद ने इस तरह की पदयात्रा की हो। विधानसभा के 250 गांवों में रहने वाले हर व्यक्ति तक पहुंचाने की यह अद्भुत यात्रा है। 3000 किलोमीटर से अधिक की पदयात्रा का लक्ष्य लेकर बाबा दुबे लोगों के बीच पहुंच रहे हैं। क्या अमीर क्या गरीब, क्या अगड़ा क्या पिछड़ा, हर दरवाजे तक पहुंचाना,उनकी समस्याओं को जानना और यथासंभव समस्याओं का निराकरण करना बाबा दुबे की प्राथमिकता है। अब तक उन्होंने 45 गांव के लोगों से व्यक्तिगत मुलाकात की है। हर लोगों के दुख दर्द और समस्याओं को करीब से जाना है। बाबा दुबे की माने तो अब उनके और ग्राम वासियों के बीच कोई तीसरा व्यक्ति नजर नहीं आएगा। उन्होंने सभी लोगों को अपने घर आने का भी निमंत्रण दिया है। बाबा दुबे की माने तो यह यात्रा अब आंदोलन का स्वरूप ले चुकी है। बदलापुर विधानसभा को भ्रष्टाचार और झूठे वादों से मुक्त करने का आंदोलन। लोगों को यकीन हो गया है कि बदलापुर का विकास बदलापुर का बेटा ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान उन्होंने पाया कि विधानसभा में रहने वाले हजारों लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है। उनकी समस्याओं के निराकरण का कोई प्रयास नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा उनके व्यक्तिगत यात्रा है, जिससे उनके और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण हो रहा है। यह पदयात्रा अन्य पदयात्राओं से इसलिए भी भिन्न है क्योंकि यह यात्रा गली-गली, पगडंडी और खेतों की मेड़ों पर से हो रही है। प्रतिदिन सुबह 10 बजे से स्वरूप पदयात्रा देर शाम तक लगातार चलती रहती है।

इस पदयात्रा ने साबित कर दिया है कि बाबा दुबे ने थके हैं, न रुके हैं, बल्कि लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

मोबाइल फोन पर जीएसटी 18 से घटाकर 5 प्रतिशत करने की आईसीईए की मांग

पटना (उत्तरशक्ति)। इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से मोबाइल फोन पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने और इस प्रस्ताव को जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में रखने की मांग की है। आईसीईए के अनुसार, भारत में अनुमानित 25 करोड़ लोग अभी भी फीचर फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्मार्टफोन की कीमत कम होने से पहली बार स्मार्टफोन खरीदने वालों और कम आय वाले परिवारों के लिए डिजिटल सुविधाओं तक पहुंच बढ़ सकती है। स्मार्टफोन आज डिजिटल पेमेंट, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और सरकारी सेवाओं तक पहुंच का प्रमुख माध्यम है।

एशियन गेम्स 2026 में शूटिंग के जज और जूरी नियुक्त हुए धीरजकुमार सिंह

मुंबई। मुंबई और पूरे भारतीय शूटिंग जगत के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण है कि धीरजकुमार सिंह को जापान में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स 2026 की शूटिंग स्पधाओं के लिए जज और जूरी नियुक्त किया गया है। धीरजकुमार सिंह राइफल एवं पिस्टल शूटिंग स्पधाओं के लिए भारत से एकमात्र जूरी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। यह नियुक्ति उनके अनुभव, तकनीकी विशेषज्ञता तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग खेल के लिए उनके योगदान की महत्वपूर्ण पहचान है। एशियन गेम्स 2026 में शूटिंग स्पधाओं का आयोजन 19 सितंबर से 3 अक्टूबर 2026 तक जापान में किया जाएगा, जिसमें एशिया के विभिन्न देशों के शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे। धीरजकुमार सिंह लंबे समय से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शूटिंग प्रतियोगिताओं में विभिन्न तकनीकी एवं निर्णायक भूमिकाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण करत्रऋ एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में Jury, Judge, Technical Official एवं Instructor के रूप में जिम्मेदारियां निभाई हैं। धीरजकुमार सिंह की यह उपलब्धि केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि मुंबई और महाराष्ट्र के लिए भी गौरव का विषय है। यह नियुक्ति मुंबई से निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग खेल के विकास में योगदान देने वाले अधिकारियों और खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में इरिट्रिया के 14 वर्षीय किशोर को मिला नया जीवन

मुंबई।14 साल के एक किशोर की जान बचाने में पूरी मेडिकल टीम की साझा कोशिश कामयाब रही। इरिट्रिया के इस बच्चे को बर्किट लिंफोमा, सेकंडरी HLH, कार्डियक अरेस्ट और मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट सेप्सिस जैसी जानलेवा स्थितियों से जूझने के बाद नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई में नया जीवन मिला। अब वह स्वस्थ होकर घर लौट चुका है। अस्पताल की पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. कृति हेगड़े ने बताया कि बच्चा दो महीने से बुखार और पेट में गांठ की समस्या के साथ भारत आया था। मुंबई के एक अस्पताल में उसकी इलियोसीकम बायोप्सी हुई और बर्किट लिंफोमा की पुष्टि हुई, लेकिन हालत बिगड़ने पर 7 मई 2026 को उसे नारायणा हेल्थ एसआरसीसी रेफर किया गया। भर्ती के समय बच्चा अर्धचेतन, सदमे की स्थिति में और वेंटिलेटर-इनोट्रोपिक सपोर्ट पर था। जांच में बोन मैरो में ल्छ्ल्ह के लक्षण मिले। टीम ने तुरंत साइटोरिडक्टिव कीमोथेरेपी (साइक्लोफॉस्फेमाइड, विनक्रिस्टीन, प्रेडनिसोलोन) शुरू की। इलाज के चौथे दिन उसे पल्सलेस वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया से कार्डियक अरेस्ट हुआ, जिसे उढफसे संभाला गया। इसके बाद उसे कई दवाओं पर बेअसर क्लेब्सिएला सेप्सिस हुआ। दूसरे हफ्ते से गांठ घटने लगी और उसे वेंटिलेटर से हटाया गया। इस दौरान उसका 12 किलो वजन घट चुका था और वह बोलने-बैठने में भी असमर्थ था। फिजियोथेरेपी टीम ने गहन पुनर्वास किया और कडल्स फाउंडेशन ने पोषण सहायता दी, जिससे वह आगे की कीमोथेरेपी झेलने लायक बना। शुरूआत में स्टेज-4 माना गया लिंफोमा बाद में सेकंडरी ल्छ्ल्ह के साथ स्टेज-3 निकला, जिससे कम तीव्र प्रोटोकॉल से इलाज संभव हुआ। उसने कीमो के पांच चक्र पूरे किए और तीसरे चक्र के बाद मेटाबॉलिक रेमिशन मिल गया। अंतिम चक्र में खसरा होने के बावजूद समय पर इलाज से वह ठीक हो गया। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सूनू उडानी के नेतृत्व में ढक्छव टीम, डॉ. कृति हेगड़े की ऑन्कोलॉजी टीम, फिजियोथेरेपी और पोषण टीम की साझा कोशिश से यह असंभव जैसा केस सफल हुआ।

केनडियर ने जारी किया फेस्टिव सीजन ज्वेलरी गाइड

मुंबई। सितंबर का महीना आते ही त्योहारों की रौनक शुरू हो जाती है, त्योहार यानी ढेरों खुशियां, परिवार और दोस्तों का मिलना-जुलना और हमारी खूबसूरत परंपराएं। पूजाओं से लेकर अपनों के साथ छोटी-मोटी गेट-टुगेदर, फैमिली लंच और जश्न भरी शामों तक यह पूरा महीना सजने-संवरने और अपने हर लुक में चमक जोड़ने का बेहतरीन मौका होता है। बदलते वक्त के साथ त्योहारों पर सजने-सवरने का अंदाज भी बदला है। आज के समय में वजन में हल्की और हर आउटफिट पर फबने वाली ज्वेलरी पारंपरिक कपड़ों को एक नया लुक देने का सबसे आसान तरीका बन गई है। यह ज्वेलरी आपको न सिर्फ एक मॉडर्न और स्टाइलिश लुक देती है, बल्कि इसे पहनना भी काफी आरामदायक और आसान होता है। इस फेस्टिव सीजन में भारी-भरकम आभूषणों की जगह कुछ ऐसा चुनें जो सादगी, खूबसूरत रंगों और मॉडर्न डिजाइन का एक शानदार मिश्रण हो। चमकते जेमस्टोन्स और बारीक कारीगरी से लेकर खूबसूरत हीरो और सदाबहार मोतियों तक, केनडियर बाय कल्याण ज्वेलर्स खास तौर पर आपके लिए चुनिंदा ज्वेलरी लेकर आया है। यह कलेक्शन आपके हर त्योहार की रौनक बढ़ाने और हर खास मौके पर आपको सबसे अलग दिखाने के लिए बहुत ही खूबसूरती से तैयार किया गया है। सुपीरियर डायमंड एंड जेमस्टोन वी-रिंग - यह खूबसूरत वी-आकार की अंगूठी हीरों की चमक और रंग-बिरंगे रत्नों के मेल से बनी है। इस आधुनिक रूप में पुरानी कारीगरी और आज के फैशन का एक सुंदर तालमेल है, जो त्योहारों में आपके लिए सबसे सही पसंद है। मयूरी मेहंदी पीकॉक डायमंड एंड जेमस्टोन ओवल ब्रेसलेट - यह खूबसूरत ब्रेसलेट मेहंदी के बारीक डिजाइनों, मोर की सुंदर आकृति, चमकते हीरो और रंग-बिरंगे रत्नों के मेल से बना है।

मोहसिन रजा बने राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता मोहसिन रजा को उत्तर प्रदेश राज्य अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। सरकार के इस निर्णय का पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सरवर सिद्दीकी ने स्वागत करते हुए मोहसिन रजा समेत आयोग के सभी सदस्यों को बधाई दी। सिद्दीकी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह निर्णय प्रदेश के अल्पसंख्यकों की अपेक्षाओं के अनुरूप है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने समेत जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचाया जा रहा है। नवनियुक्त अध्यक्ष मोहसिन रजा ने कहा कि आयोग में लंबित करीब 2500 मामलों का जल्द निस्तारण प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आयोग में आने वाले मामलों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था की जाएगी और प्रयास होगा कि प्रत्येक मामले का तीन दिन में निस्तारण हो। सरवर सिद्दीकी ने उम्मीद जताई कि मोहसिन रजा के नेतृत्व में आयोग प्रभावी ढंग से काम करेगा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सबका साथ, सबका विकास के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगा।

गणेश मंदिर परिसर में हुआ सम्मान समारोह, भामाशाओ का हुआ सम्मान

चिराना। शेखावाटी के प्रसिद्ध लोहार्गल मेले की पूर्व संध्या पर प्रगतिशील कुमावत समिति गणेश मंदिर लोहार्गल द्वारा आयोजित हुए सम्मान समारोह कार्यक्रम में दर्जन भर समाज के भामाशाहों व कार्यकर्ताओं का सम्मान समीति द्वारा किया गया।

आयोजित हुए इस पुण्य कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रेमचंद सिरस्वा (गुरूजी) रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र प्रजापति ने की।जानकारी देते हुए समिति के संरक्षक डॉ.राजेंद्र कुमावत ने बताया कि ये सम्मान उन लोगों को दिया गया,जिन्होंने मंदिर में विकास कार्यों हेतु अपना योगदान दिया और मेले के दौरान दिल खोलकर दिलेरी दिखाते हुए परिक्रमार्थियों के लिए भंडारे लगाए तथा निःशुल्क चाय पानी,नींबू शिकंजी, नाश्ता के व्यवस्था मेले में की।साथ ही चौबीस कोसीय परिक्रमा के दौरान हारे थके व मौसम जन्य हरारत से परेशान लोगों को मंदिर के पास ही चिकित्सा लाभ दिया। इसके अलावा इस बार (सुबह के दौरान) मेले में सक्रिय रहकर दो दिन तक सेवा देने वाले कार्यकताओं व समिति के पदाधिकारियों का सम्मान मंदिर परिसर में दुप्पटा पहना कर व एक शानदार भगवान गणेश जी का मोमेंटो प्रदान कर उनका भी मान बढ़ाया। आपको बता दे यह शानदार मोमेंटो इस समिति के तत्वाधान में डॉ लक्ष्मण प्रजापत पुत्र श्री खूबाराम प्रजापत नागल जैसा बोहरा वालों की ओर से रहे। प्रोग्राम की समा बांधते हुए अध्यापक संतोष कुमावत ने संचालन किया। इस दौरान फूलचंद लुहानीवाल,ताराचंद कुंडल वाल,सोनाराम कुमावत,पूर्व अध्यक्ष रामनिवास कुमावत,अध्यापक बिरजू राम कुमावत,राजेंद्र घोड़ेला, शेखरचंद मरेठिया, रामावतार पारमुवाल, मूलचंद बिवाल,महेश बड़ीवाल,नंदलाल कुमावत भरत कुमावत सहित कई भक्त गण उपस्थित रहे।सचिव अमोलक पारमुवाल ने सभी दानदाताओं व मेले में सहयोगकताओं का आभार व्यक्त किया।

अक्सिजेन आईवीएफ ने पनवेल में खोला नया फर्टिलिटी सेंटर, विज्ञान आधारित इलाज का दायरा बढ़ा

पनवेल। अक्सिजेन आईवीएफ ने आज महाराष्ट्र के पनवेल में अपने नए 5,000 वर्ग फुट के फर्टिलिटी सेंटर की शुरूआत की घोषणा की। नवी मुंबई, रायगड और आसपास के इलाकों में गुणवत्तापूर्ण फर्टिलिटी उपचार की पहुंच बढ़ाने की दिशा में यह कंपनी का एक और कदम है।

यह नया केंद्र अक्सिजेन आईवीएफ के विज्ञान आधारित फर्टिलिटी उपचार मॉडल को दशार्ता है। यहां अत्याधुनिक भ्रूणविज्ञान, पूरी जांच सुविधाएं, हर मरीज के हिसाब से बनी उपचार प्रक्रिया, डिजिटल प्रयोगशाला प्रणालियां और मरीजों को जानकारी देने की व्यवस्था, सब एक ही छत के नीचे हैं। केंद्र की पूरी रूपरेखा गुणवत्ता, पारदर्शिता और क्लिनिकल गवर्नेंस को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसका लक्ष्य नवी मुंबई, रायगड और आसपास के इलाकों में प्रमाण आधारित फर्टिलिटी उपचार की पहुंच बढ़ाना है। पनवेल केंद्र की एक खास बात है भारत दफ्तारी नॉलेज सेंटर (बीडीकेसी)। नवी मुंबई और रायगड क्षेत्र में यह अपनी तरह का पहला इमर्सिव आईवीएफ नॉलेज सेंटर है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि मरीज इंटरैक्टिव और तकनीक आधारित तरीकों से सीखते हुए प्रजनन क्षमता, आईवीएफ उपचार और प्रजनन स्वास्थ्य को समझ सकें। पनवेल केंद्र में फर्टिलिटी परामर्श और अत्याधुनिक जांच सुविधाएं मिलती हैं, और इन सबके मूल में है एक अत्याधुनिक भ्रूणविज्ञान प्रयोगशाला। इस प्रयोगशाला को सटीकता, एकरूपता और मरीज की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। प्रयोगशाला के भीतर का वातावरण कड़ाई से प्रमाणित नियंत्रणों में रखा जाता है और यहां एसओपी आधारित कार्यप्रणाली का पालन होता है। इससे आईवीएफ के हर चरण में गुणवत्ता और भरोसे के ऊंचे मानक बने रहते हैं, चाहे वह फर्लाइजेशन हो, एम्ब्रयो कल्चर हो या क्रायोप्रिजर्वेशन।

CEPC प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में मुख्यमंत्री से की मुलाकात, भदोही में होने वाले गोल्डन जुबली एक्सपो का दिया न्योता

वाराणसी। भदोही में आयोजित होने वाले 50वें इंडिया कार्पेट एक्सपो (गोल्डन जुबली इंडिया कार्पेट एक्सपो) में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि होंगे। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (CEPC) के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात कर उन्हें एक्सपो में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। प्रतिनिधिमंडल में जिलाधिकारी भदोही शैलेष कुमार, CEPC अध्यक्ष कैप्टन मुकेश कुमार गोम्बर, उपाध्यक्ष असलम महबूब तथा प्रशासनिक समिति के सदस्य पियूष कुमार बरनवाल, इम्तियाज अहमद और संजय गुप्ता शामिल रहे। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को भदोही के कालीन उद्योग की अहमियत, बुनकरों और कारीगरों की भूमिका तथा एक्सपो की तैयारियों की जानकारी दी।

मुलाकात के दौरान CEPC अध्यक्ष कैप्टन मुकेश कुमार गोम्बर ने उत्तर प्रदेश के कालीन उद्योग के विकास, निर्यात को बढ़ावा देने और इससे जुड़े बुनकरों-कारीगरों के हित में प्रदेश के लिए समर्पित कालीन नीति बनाने और लागू करने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की।

CEPC उपाध्यक्ष असलम महबूब ने कहा कि भदोही, मिजार्पुर, वाराणसी समेत पूर्वांचल के कई क्षेत्रों में कालीन उद्योग से बड़ी संख्या में बुनकर, कारीगर, श्रमिक और निर्यातक जुड़े हैं। समर्पित नीति से उद्योग में आधुनिक तकनीक, निवेश, कौशल विकास, आधारभूत ढांचे और निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि भदोही के हस्तनिर्मित कालीन को वर्ष 2010 में GI टैग मिल चुका है। GI कालीनों की ब्रांडिंग और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार बढ़ाने के साथ कारीगरों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए विशेष पहल की मांग की गई। CEPC ने उम्मीद जताई कि कालीन नीति के गठन और गोल्डन जुबली इंडिया कार्पेट एक्सपो के आयोजन से उत्तर प्रदेश के कालीन उद्योग को नई दिशा मिलेगी। इससे निर्यात और कारोबार बढ़ने के साथ बुनकरों व कारीगरों के लिए रोजगार

मुंबई में नाबार्ड अनुभव केंद्र का उद्घाटन डीएफएस सचिव संजय लोहिया ने किया

मुंबई। नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने मुंबई स्थित अपने मुख्यालय में अत्याधुनिक अनुभव केंद्र का शुभारंभ किया। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री संजय लोहिया ने अनुभव केंद्र का उद्घाटन किया। यह अनुभव केंद्र तकनीक-सक्षम और immersive अनुभव के माध्यम से नाबार्ड की यात्रा, उपलब्धियों और ग्रामीण भारत पर उसके प्रभाव को एक साथ प्रस्तुत करता है। इस केंद्र का उद्घाटन नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ. शाजी कृष्णन वी., नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक गोवर्धन एस. रावत, डॉ. अजय के. सूद औरराकेश कश्यप, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की निदेशक श्रीमती श्वेता राव बी. तथा नाबार्ड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

अनुभव केंद्र के माध्यम से आगंतुकों को नाबार्ड की उल्लेखनीय यात्रा से परिचित कराया जाता है। इसमें नाबार्ड की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और ग्रामीण क्षेत्रों की सफलता की कहानियों से लेकर ग्रामीण विकास के भविष्य को आकार देने वाली पहलों तक की जानकारी प्रस्तुत की गई है। इंटरैक्टिव माध्यमों के जरिए आगंतुक नाबार्ड द्वारा समर्थित परियोजनाओं को जान सकते हैं, इसकी विभिन्न योजनाओं और पहलों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा नाबार्ड के नेतृत्व, संस्थागत यात्रा और इसके प्रभाव की कहानियों से रूबरू हो सकते हैं। जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने और स्वयं सहायता समूहों को सहयोग देने से लेकर ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा डिजिटल वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने तक, केंद्र भौतिक और डिजिटल प्रदर्शनों के गतिशील संयोजन के माध्यम से इन प्रयासों को आगंतुकों के और करीब लाता है। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री संजय लोहिया ने ग्रामीण विकास को मजबूत करने में नाबार्ड की भूमिका पर प्रकाश डाला और नाबार्ड के प्रभाव को प्रदर्शित करने वाले एक मंच के रूप में अनुभव केंद्र का स्वागत किया।

इस अवसर पर नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ. शाजी कृष्णन वी. ने कहा, नाबार्ड की यात्रा ग्रामीण भारत की बदलती आकांक्षाओं और विकास संबंधी आवश्यकताओं को दशार्ती है। एक पुनर्वित्त संस्था के रूप में अपनी स्थापना से लेकर नाबार्ड ने समावेशी और सतत ग्रामीण विकास के उत्प्रेरक के रूप में स्वयं को परिवर्तित किया है। इस दौरान कृषि, ग्रामीण बुनियादी ढांचे, उद्यमों और सुदृढ़ समुदायों के विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में इरिट्रिया के 14 वर्षीय किशोर को मिला नया जीवन

मुंबई।14 साल के एक किशोर की जान बचाने में पूरी मेडिकल टीम की साझा कोशिश कामयाब रही। इरिट्रिया के इस बच्चे को बर्किट लिंफोमा, सेकंडरी HLH, कार्डियक अरेस्ट और मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट सेप्सिस जैसी जानलेवा स्थितियों से जूझने के बाद नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई में नया जीवन मिला। अब वह स्वस्थ होकर घर लौट चुका है। अस्पताल की पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. कृति हेगड़े ने बताया कि बच्चा दो महीने से बुखार और पेट में गांठ की समस्या के साथ भारत आया था। मुंबई के एक अस्पताल में उसकी इलियोसीकम बायोप्सी हुई और बर्किट लिंफोमा की पुष्टि हुई, लेकिन हालत बिगड़ने पर 7 मई 2026 को उसे नारायणा हेल्थ एसआरसीसी रेफर किया गया। भर्ती के समय बच्चा अर्धचेतन, सदमे की स्थिति में और वेंटिलेटर-इनोट्रोपिक सपोर्ट पर था। जांच

क्रिप्टो साक्षरता अभियान के कारण मेट्रो शहरों के परे क्रिप्टो का विस्तार

मुंबई। डिजिटल एसेट्स के प्रति बढ़ती जागरूकता और निवेशक शिक्षा में सुधार के चलते भारतीय निवेशकों के व्यवहार में एक परिपक्व और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर भारत के अग्रणी क्रिप्टो एक्सचेंज CoinDCX द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, निवेशक अब अल्पकालिक सट्टेबाजी और उच्च-जोखिम वाले मीम-टोकन्स से दूरी बना रहे हैं। इसके विपरीत, उनका ध्यान अब स्थापित 'ब्लू-चिप' डिजिटल एसेट्स, दीर्घकालिक होल्डिंग, पोर्टफोलियो विविधीकरण और अनुशासित निवेश रणनीतियों (जैसे कि क्रिप्टो एसआईपी) पर केंद्रित हो रहा है। क्रिप्टो और वित्तीय साक्षरता में सुधार के कारण निवेश का दायरा केवल मेट्रो शहरों तक सीमित न रहकर देश के उभरते शहरों तक पहुँच गया है, जिसमें जयपुर, पटना और लखनऊ भारत के सबसे सक्रिय 'नॉन-मेट्रो क्रिप्टो हब' के रूप में उभरे हैं।

CoinDCX का पंजीकृत उपयोगकर्ता आधार 2026 में 2.2 करोड़ को पार कर चुका है, जिसमें 2024 से अब तक 80 लाख से अधिक नए उपयोगकर्ता जुड़े हैं। इस वृद्धि में जयपुर, पटना और लखनऊ जैसे उभरते शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। निवेशकों के लिए डिजिटल एसेट्स एक ऐसे वैश्विक एसेट क्लास का रूप ले चुके हैं, जो पारंपरिक स्थानीय वित्तीय प्रणालियों में आसानी से उपलब्ध नहीं थे। इन शहरों के निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए क्रिप्टो एसआईपी का बड़े पैमाने पर उपयोग करके अनुशासित निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसके चलते CoinDCX पर एसआईपी उपयोगकताओं में 600% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है और इसमें इन नॉन-मेट्रो शहरों का बड़ा योगदान रहा है। इसके साथ ही, निवेशक अब अधिक सतर्क और समझदार हो रहे हैं; कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम में मीम टोकन्स की हिस्सेदारी घटकर केवल 12.17% रह गई है, जबकि 55% से अधिक निवेशक मजबूत आधार वाले स्थापित ब्लू-चिप डिजिटल एसेट्स में निवेश करना पसंद कर रहे हैं।

इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए CoinDCX के सह-संस्थापक सुमित गुप्ता ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस हमें याद दिलाता है कि आज साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने की क्षमता तक सीमित नहीं है। यह तेजी से डिजिटल और वित्तीय रूप से जुड़ी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान और आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। चूंकि डिजिटल एसेट्स भारत की वित्तीय चचाओं का हिस्सा बन रहे हैं, इसलिए क्रिप्टो साक्षरता निवेशकों को इस एसेट क्लास को समझने, जोखिमों का आकलन करने और बेहतर निर्णय लेने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

हम अपने प्लेटफॉर्म पर इस बदलाव के उत्साहजनक संकेत देख रहे हैं – मीम टोकन की तुलना में स्थापित डिजिटल एसेट्स के प्रति बढ़ती पसंद से लेकर क्रिप्टो SIP को तेजी से अपनाने और उभरते शहरों की बढ़ती भागीदारी तक।

टेक्नोस्पोर्ट द्वारा संचालित पुणित बालन ग्रुप सतारा हिल हाफ मैराथन के ऐतिहासिक 15वें संस्करण से सतारा दौड़ के रंग में रंगा

सतारा। टेक्नोस्पोर्ट द्वारा संचालित पुणित बालन ग्रुप सतारा हिल हाफ मैराथन 2026 के ऐतिहासिक 15वें संस्करण में 7,972 धावकों ने सतारा के प्रतिष्ठित 21.1 किलोमीटर के पहाड़ी मार्ग पर दौड़ लगाई, जिनमें से विभिन्न आयु वर्गों के 7,716 धावकों ने सफलतापूर्वक दौड़ पूरी की। सतारा रनर्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस आयोजन में देशभर से आए धावकों ने 2026 की थीम #PaceForPeace के तहत भाग लिया। इस अवसर पर दौड़ की भावना, सामुदायिक सहभागिता और सतारा के विशिष्ट पहाड़ी मार्ग का उत्सव मनाया गया।

ओपन वर्ग में पुरुष एवं महिला दोनों श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। ओपन पुरुष वर्गः प्रवीण कांबले ने 01:10:00 के समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। अभिषेक कमन्ना देवकटे 01:11:13 के समय के साथ दूसरे तथा कालिदास लक्ष्मण हिरावे 01:11:42 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। ओपन महिला वगःर्रानी सदाशिव मुचांडी ने 01:30:53 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। निशा आनंद पासवान 01:36:44 के समय के साथ दूसरे तथा संतोषी महादेव नराले 01:37:25 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

वर्ष 2026 के इस संस्करण में एकल पर्वत पर आयोजित दौड़ में सर्वाधिक लोगों की भागीदारी (Most People in a Mountain Run – Single Mountain) के लिए GUINNESS WORLD RECORDS™ का आधिकारिक प्रयास भी किया गया। इस प्रयास में 7,900 से अधिक पात्र प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। निर्धारित सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसके परिणाम की घोषणा की जाएगी। रेस डे पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में संतोष पाटिल, आईएएस, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सतारा, रंजन कुमार शर्मा, आईपीएस, विशेष पुलिस महानिरीक्षक, कोल्हापुर रेंज निखिल नंदकुमार पिंगले, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, सतारा, हरीश पाटने, पुणित बालन ग्रुप का प्रतिनिधित्व कर रहे राजेश राणे, टेक्नोस्पोर्ट के निदेशक, संदीप झुनझुनवाला, टेक्नोस्पोर्ट के हेड (आरएंडडी), अनिरुद्ध प्रताप सिंह, ओत्सुका न्यूट्रास्यूटिकल इंडिया (पोकारी स्वेट) के फाइनेंस डायरेक्टर रयोहेई फुकुयामा सान एवं ब्रांड कम्युनिकेशन मैनेजर (स्पोर्ट्स) स्त्रीया शेट्टी सान शामिल थे। सतारा रनर्स फाउंडेशन के अध्यक्ष आर्किटेक्ट उपेंद्र पंडित ने इस ऐतिहासिक संस्करण को सफल बनाने के लिए धावकों, स्वयंसेवकों, प्रशासन, साझेदारों और सतारा के नागरिकों का आभार व्यक्त किया। रेस डायरेक्टर डॉ. अविनाश शिंदे ने बताया कि सुरक्षित और धावक-अनुकूल आयोजन सुनिश्चित करने के लिए मार्ग प्रबंधन, चिकित्सा सहायता, जलपान व्यवस्था, पेसिंग, टाइमिंग और यातायात प्रबंधन सहित कई महीनों तक विस्तृत योजना बनाई गई। सतारा रनर्स फाउंडेशन के संस्थापक एवं चीफ बिलीवर डॉ. संदीप काटे ने कहा कि शहर, धावकों, स्वयंसेवकों और साझेदारों के सहयोग से यह आयोजन एक स्थानीय पहल से विकसित होकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली दौड़ बन गया है।

एचडीएफसी एर्गो इंश्योरेंस क्विज जूनियर के 11वें एडिशन में 16,900 से अधिक स्टूडेंट्स ने लिया हिस्सा

मुंबई। भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने कक्षा 8 और 9 के स्टूडेंट्स के लिए अपनी फ्लैगशिप पहल, एचडीएफसी एर्गो इंश्योरेंस क्विज जूनियर के 11वें एडिशन का आयोजन किया। इस वर्ष देशभर के 600 से अधिक जिलों के 4,850 स्कूलों से 16,900 से अधिक स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। महाराष्ट्र के 147 शहरों से करीब 530 स्कूलों के 2,000 से अधिक स्टूडेंट्स ने क्विज के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। इस पहल के बारे में सोमेश सुराना, जॉइंट प्रेसिडेंट - डिजिटल बिजनेस ग्रुप एवं मार्केटिंग, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने कहा, इंश्योरेंस आपको अप्रत्याशित परिस्थितियों के लिए तैयार करता है और हमारा मानना है कि इसकी समझ कम उम्र से ही शुरू होनी चाहिए। 11वें एडिशन के साथ हमारा मकसद न केवल बेहतर क्विज प्रतियोगी तैयार करना है, बल्कि ऐसी पीढ़ी का विकास करना भी है, जो जीवन की अनिश्चितताओं को लेकर ज्यादा जागरुक, आत्मविश्वास से भरी और तैयार हो। 2016 में 18 स्कूलों और एक शहर से शुरू हुआ यह क्विज अब भारत के 1,100 से अधिक शहरों तक पहुंच चुका है। पिछले 10 वर्षों में करीब 3 मिलियन स्टूडेंट्स इससे जुड़ चुके हैं, जिससे यह इंश्योरेंस जागरुकता और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण मंच बन गया है। इस वर्ष क्विज 10 भारतीय भाषाओं में आयोजित किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन कराने वाले 25 स्कूल स्थानीय भाषा के माध्यम वाले हैं, जो इसकी जमीनी स्तर तक पहुंच को दशार्ता है। फिलहाल क्विज के प्राथमिक राउंड चल रहे हैं। इनमें से शीर्ष 32 टीमें वर्चुअल जोनल राउंड में ग्रैंड फिनाले के लिए मुकाबला करेंगी। अंतिम 6 टीमें नेशनल टाइटल के लिए 22 सितंबर को मुंबई में होने वाले फिजिकल ग्रैंड फिनाले में हिस्सा लेंगी।

हिंदी पखवाड़ा पर बाल कवि सम्मेलन का आयोजन

पटना। हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में एक विशेष बाल कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह साहित्यिक आयोजन विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय राजकुमार भार्गव, जो हिंदी साहित्य एवं प्रकाशन के क्षेत्र में प्रख्यात व्यक्तित्व थे एवं ज्ञानपीठ के टीपू बाबू (त्रिपुरेश्वर पांडे) की पावन स्मृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ध्रुव कुमार सिंह तथा प्रसिद्ध लेखिका रेखा भारती मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्व पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा 3 से कक्षा 9 तक के लगभग 70 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी ओजपूर्ण एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से हिंदी भाषा, साहित्य और काव्य की समृद्ध परंपरा को जीवंत कर दिया। विद्यालय के निदेशक राजीव भार्गव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना, अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित करना तथा उनके विचारों में रचनात्मकता और मौलिकता लाना है। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया।